श्रावण मास, कृष्ण पक्ष १ वर्ष, अंक २५, पृष्ठ ४, मूल्य १.००

SHEUE HICH

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

सुशांत सिंह राजपूत मामले में नया मोड़, रिया की ड्रग चैट को लेकर गोवा के होटल व्यवसायी से होगी पूछताछ

भारत

BUS

पणजी, एएनआइ। सुशांत सिंह राजपूत मामले में रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक से सीबीआइ पूछताछ कर रही है। इस मामले में एक और नया मोड आ गया है। प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने ड्रग चैट को लेकर गोवा के होटल व्यवसायी गौरव आर्या को तलब किया है। सुशांत मामले में उनका नाम आने पर गौरव आर्या ने कहा कि वे सुशांत सिंह राजपूत से कभी नहीं मिले हैं, लेकिन एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती से 2017 में मिल चुके हैं। गौरव आर्या उन व्यक्तियों में से एक हैं जिन्होंने रिया चक्रवर्ती के साथ व्हाट्सएप चैट की है। इस चैट में ड्रग्स पदार्थों से संबंधित बातें की गई थीं। साल 2017 में हुई चैट में रिया और गौरव के बीच ड्रग्स को लेकर बातचीत रिकवर की गई। गोवा के अंजुना बीच में स्थित द इमली होटल के मालिक गौरव आर्या को 31 अगस्त से पहले प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। माना जा रहा है कि कल ईडी आर्या से पूछताछ करेगी। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को गौरव आर्या के होटल में नोटिस दिया था, जिसमें उन्हें 31 अगस्त से पहले एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। ईडी के अधिकारियों ने होटल के गेट पर नोटिस चस्पा करने के बाद गौरव आर्या से मुलाकात नहीं की थी। उधर आज सीबीआइ रिया चक्रवर्ती से लगातार तीसरे दिन पूछताछ की है। रिया के साथ उनके भाई शोविक चक्रवर्ती सुबह साढ़े दस बजे डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंचे। अब तक रिया से इस मामले में सीबीआइ कुल 17 घंटे की पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक की पूछताछ में रिया चक्रवर्ती के जवाबों से सीबीआइ संतुष्ट नहीं है। जांच एजेंसी ने इस मामले में अब तक रिया के अलावा सैमुअल मिरांडा, सिद्धार्थ पिठानी और नीरज सिंह से भी पूछताछ की है।



सर्विस रिकार्ड की समीक्षा करने का आदेश

नई दिल्ली, प्रेट्र। कार्मिक मंत्रालय के ताजा आदेश के अनुसार केंद्र सरकार ने सभी विभागों को तीस साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर चुके सभी कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड की समीक्षा करने को कहा है। इसके बाद इनमें से अक्षम और भ्रष्ट कर्मचारियों की पहचान करके उन्हें स्थाई रूप से रिटायर करने को कहा गया है। केंद्र सरकार यह फैसला जनहित में लेना चाहती है।



सरकार के कर्मचारियों के कामकाज (पेंशन) रूल्स, 1972 के मूलभूत (आइ) और 48 (आइ) (बी) के कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक केंद्र की समीक्षा सेंट्रल सिविल सर्विस नियम (एफआर) 56 (जे) व 56 तहत की जाएगी। इससे प्रशासन को विभागों को समय-समय पर ऐसे पेनाल्टी है।

के आधार पर जनहित में उठाया पेनाल्टी नहीं है। यह अनिवार्य जाएगा। किसी भी सरकार कर्मचारी रिटायरमेंट से अलग है। अनिवार्य को अक्षमता के आधार पर सामान्य रिटायरमेंट सेंट्रल सिविल सर्विसेज रूप से रिटायरमेंट नहीं दिया जाएगा। (क्लासिफिकेशन, कंट्रोल एंड मंत्रालय ने कहा कि विभिन्न अपील) रूल्स, 1965 के तहत

एक सरकारी नौकर को पूरी तरह से कर्मचारियों की सेवाओं की समीक्षा

रिटायर करने का अधिकार मिलता करने को कहा जाता है और यह

शुक्रवार को जारी आदेश में कहा में कायम रखने के योग्य हैं या नहीं।

गया है कि किसी भी सरकारी अफसर सरकार का मानना है कि जिन

की आयु 50/55 वर्ष होने या उनके कर्मचारियों का कामकाज या आचरण

सेवाकाल के कम से कम तीस साल भ्रष्ट है, उन्हें रिटायर कर दिया जाना

पूरे होने के बाद उन्हें किसी भी समय चाहिए। यह साफ है कि इन नियमों के

सेवानिवृत्त किया जा सकता है। यह तहत सरकारी कर्मचारी के समय से

कदम उनके कामकाज और आचरण पहले रिटायर किया जाना कोई

बताने को कहा जाता है कि वह सेवा



हालांकि सरकार ने लोगों को पूर्व कुल मामलों की संख्या 35 लाख को में लगी पाबंदियों से थोड़ी छूट दी है। पार कर गई है। हफ्ते भर पहले ही



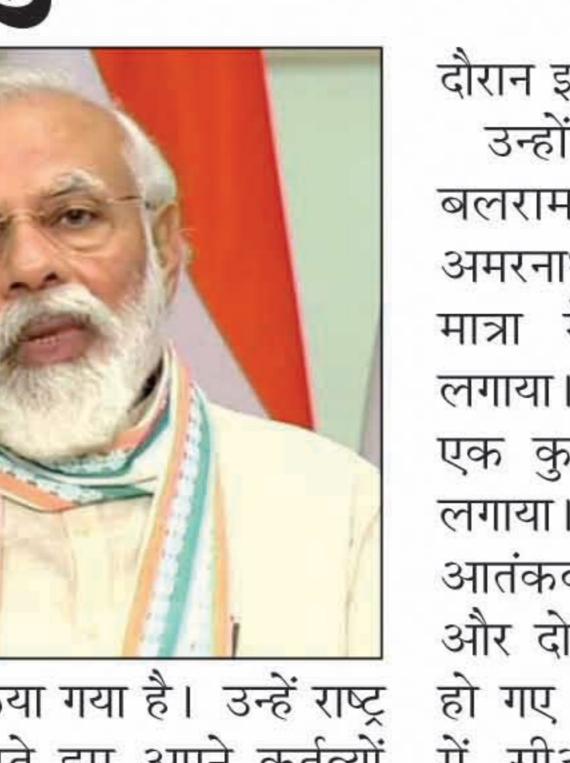


एक सितंबर से लोग बिना ई-पास के संक्रमितों की संख्या 30 लाख से राज्य में कहीं की भी यात्रा कर अधिक हुई थी। देश में कोरोना के सकेंगे। यही नहीं, पूजा स्थल और 27,13,933 मरीज ठीक हो चुके हैं। मॉल भी खुल जाएंगे। यही नहीं मौजूदा वक्त में देश में संक्रमण के सितंबर में रविवार को पूर्ण कुल मामलों की संख्या बढ़कर लॉकडाउन भी नहीं रहेगा। होटलों 35,42,733 हो गई! बीते 24 घंटे में और रिजॉर्ट को खोलने को भी मंजूरी संक्रमण से 948 लोगों की मौत हुई दी गई है। यह जानकारी राज्य सरकार है।

नई दिल्ली, एएनआई। सुरक्षा ने रविवार को दी। स्कूल-कॉलेजों देश में महामारी से अब तक बलों की सेवा करने वाले विभिन्न और कंटेनमेंट जोन पर पूर्व की भांति 63,498 लोगों की मौत हुई है। कुत्तों की बहादुरी को याद करते पांबदियां लागू रहेंगी। अंतर राज्यीय भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल सेवाओं को केवल चुनिंदा मार्गो परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, रविवार को देशवासियों से भारतीय और दोनों तीन-साल पहले शहीद आईईडी के लिए सैनिकों को पांबदियां लागू रहेंगी। अंतर राज्यीय भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर ही चलने की अनुमति होगी। शनिवार को 10,55,027 नमूनों की नस्ल के कुत्ते के घर में से एक सम्मानित किया गया है। उन्हें राष्ट्र हो गए थे। छत्तीसगढ़ के बीजापुर सतर्क किया। दुर्भाग्य से, आईईडी बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जांच की गई। बीते 24 घंटे में लाने का आग्रह किया। की रक्षा करते हुए अपने कर्तव्यों में, सीआरपीएफ का स्निफर डॉग विस्फोट हो गया और क्रैकर ने शनिवार को अनलॉक-चार के तमिलनाडु में 87, आंध्र प्रदेश में 82, जब हम स्वतंत्रता दिवस मना का निर्वहन करने के लिए 'क्रैकर' भी क्एऊब्लास्ट में शहीद सैनिकों को बचाने के लिए दिशानिदेशों में साफ कर दिया था कि उत्तर प्रदेश में 62, पश्चिम बंगाल में रहे थे, तो बहुत ही रोचक समाचारों सम्मानित किया गया। हमारे सशस्त्र हो गया। हाल ही में, बीड पुलिस ने सर्वोच्च बलिदान दिया। कांस्टेबल राज्य सरकारें अपनी मर्जी से 53, पंजाब में 41, मध्य प्रदेश में 22, ने हमारे सुरक्षा बलों के दो साहसी बलों के साथ कई ऐसे बहादुर कुत्ते अपने कुत्ते 'रॉकी' के लिए एक (डॉग हैंडलर) वाईएस अविनाश कंटेनमेंट जोन के बाहर कोई झारखंड में 16, दिल्ली में 15, पात्रों के बारे में मेरा ध्यान आकर्षित हैं जिन्होंने देश के लिए और हमारे आंसू निकालने वाला एड किया, को मामूली चोटें आईं। प्रधानमंत्री लॉकडाउन नहीं लगा सकेंगी। केंद्र ओडिशा में 14, गुजरात और किया - एक है सोफी और दूसरा है राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान जिसने पुलिस के लिए 300 से ने बताया कि कुत्ते आपदा प्रबंधन की ओर से साफ कहा गया था कि राजस्थान में 13-13 लोगों की भारतीय सेना में सेवा देने वाला दिया। बता दें कि प्रधानमंत्री ने अधिक मामलों को सुलझाने में और बचाव मिशन में महत्वपूर्ण

देशवासियों से घर में देसी नस्लें लाने का किया आग्रह

कुछ गिनी-चुनी गतिविधियों को संक्रमण से मौत हो गई। विदा उन्हें सेना प्रमुख के साथ अपने मासिक मन की बात के मदद की थी।7 अप्रैल, 2017 को भूमिका निभाते हैं।



दौरान इनका जिक्र किया है। सीआरपीएफ कैनाइन सैनिक क्रेकर उन्होंने कहा कि 2006 में, (बेल्जियम शेफर्ड मालानियोस, बलराम नामक एक कुत्ते ने डीओबी 04.10.2014) के साथ ई अमरनाथ यात्रा के मार्ग में बड़ी / 170 बीएन की टुकड़ी मात्रा में विस्फोटकों का पता मोदकपाल वन क्षेत्र, बीजापुर, लगाया। 2002 में, भवाना नामक छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन एक कुत्ते ने एक कएऊ का पता ड्यूटी पर थी। यह सैनिकों का लगाया। क्एऊको फैलाने के दौरान, नेतृत्व कर रहा था और एक कूचा

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट सोमवार को भगोड़े कारोबारी ब्रिटेन भाग चुके माल्या पर भारतीय विजय माल्या के खिलाफ मई, बैंकों का 9000 करोड़ रुपये का 2017 के अवमानना के मामले में कर्ज नहीं चुकाने का मामला है। दोषी करार दिए जाने के फैसले की इसमें उनकी बंद हो चुकी कंपनी समीक्षा याचिका पर अपना फैसला किंगफिशर एयरलाइंस भी शामिल सुनाएगा। माल्या ने अदालत के है। सुप्रीम कोर्ट के विगत 9 मई, फैसले के खिलाफ अपने बच्चों के 2017 के आदेश के खिलाफ खाते में 40 करोड़ डॉलर की रकम विजय माल्या ने यह समीक्षा ट्रांसफर की थी। जस्टिस यूयू याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ललित और अशोक भूषण की ने एसबीआइ के नेतृत्व में बैंकों के खंडपीठ इस मामले में अपना एक समूह की याचिका पर 40 फैसला 31 अगस्त को सुनाएगी। करोड़ डॉलर माल्या के बच्चों के उसने विगत 27 अगस्त को दोनों बैंक खातों में ट्रांसफर करने के पक्षों की दलीलें सुनकर अपना मामले में दोषी पाया था।





नई दिल्ली,ब्यूरो। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की तस्वीर भयावह होती जा रही है। रविवार को रिकॉर्ड 80 हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं और कुल संक्रमितों की संख्या 36 लाख को पार कर गई है। एक दिन पहले ही 78,761 नए केस मिले थे, जो दुनिया के किसी भी देश में एक दिन में अब तक सामने आए नए मामलों की सबसे बड़ी संख्या थी। अमेरिका में 16 जुलाई को सबसे अधिक 77,299 नए केस सामने आए थे। देश में कोरोना महामारी से मरने वालों की संख्या भी 64 हजार से अधिक हो गई है, पीएम मोदी ने किया अन्नदाताओं को नमन, बताया कोरोना काल में किसानों ने मेहनत से जीती जंग लेकिन अच्छी बात ये भी है कि अब तक कोरोना से संक्रमित 27 लाख से ज्यादा मरीज पूरी तरह से ठीक भी हो पीएम मोदी ने कहा, हमारे जीवन चुके हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ली है। संचालित किया जाता है। हमारे त्योहार समाचार एजेंसियों और अन्य श्रोतों रविवार को ही 958 लोगों की गए हैं। महाराष्ट्र में लगातार दूसरे संक्रमितों की संख्या चार लाख 24 हमारे किसानों की कड़ी मेहनत के से रात नौ बजे तक मिले आंकड़ों के जान गई, जिसमें सबसे अधिक दिन 16 हजार से अधिक नए मामले हजार 767 हो गई है। कुल मामलों माध्यम से ही अपना रंग निखारते हैं। मुताबिक शनिवार देर रात से अब महाराष्ट्र में 296, कर्नाटक में 106, सामने आए। 16,408 नए केस के के मामले में आंद्र प्रदेश ने वेद ने हमारे किसानों की जीवन-ऊर्जा तक 80,078 नए मामले सामने आंध्र प्रदेश में 88, उत्तर प्रदेश में साथ राज्य में संक्रमितों का आंकड़ा तमिलनाडु को भी पीछे छोड़ दिया का भी शानदार वर्णन किया है। उन्होंने आए हैं और कुल संक्रमितों का 67, पंजाब में 56, मध्य प्रदेश में साथ लाख 80 हजार 689 पर पहुंच है। तमिलनाडु में कुल मरीजों की कहा कि ओणम त्यौहार के मौके को आंकड़ा 36 लाख 12 हजार 164 29, दिल्ली में 22, गुजरात में 17, गया है। अब तक 24,399 लोगों संख्या चार लाख 22 हजार से कुछ हर जगह महसूस किया जा सकता है पर पहुंच गया है। एक दिन पहले ही हरियाणा व ओडिशा में 12--12 की जान भी जा चुकी है। निकटवर्ती अधिक है। और यह एक अंतर्राष्ट्रीय त्योहार है। यह आंकड़ा 35 लाख को पार और तेलंगाना में 10 मौतें शामिल हैं, गोवा में 451 नए मामले मिले हैं आबादी के मामले में देश के



नई दिल्ली, एएनआइ। प्रधानमंत्री मोहर्रम के 10वें दिन को आशुरा का नवासे इमाम हुसैन की धोखे से हत्या नरेंद्र मोदी ने रविवार को आशूरा के दिन कहा जाता है। इसी दिन इमाम कर दी गई थी। हजरत हुसैन की दिन पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हुसैन और उनके साथी शहीद हुए थे। शहादत की याद में ही रोज-ए-इमाम हुसैन की शहादत को याद अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने आशुरा मनाया जाता है। इस दिन किया। पीएम मोदी ने कहा कि उनके लिखा, 'हम इमाम हुसैन (एएस) के शिया समुदाय के लोग उनकी लिए सत्य और न्याय के मूल्यों से बलिदान को याद करते हैं। उनके शहादत को याद करते हैं और मातम ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं था। लिए सच्चाई और न्याय के मूल्यों से मनाते हैं।

21 में भी इंजीनियरिंग की छह हजार सीटें 680 को पैगम्बर मोहम्मद साहब के कम हुई हैं। इसके अलावा हर साल बड़ी संख्या में सीटें खाली भी रह जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंजीनियरिंग में रोजगार के अवसर कम होने से छात्रों का रुझान इस क्षेत्र में कम हुआ है और वे अन्य पाठ्यक्रमों को वरीयता दे रहे हैं। दरअसल, इन्हीं वजहों से हर साल इंजीनियरिंग कॉलेज या तो बंद होते जा रहे हैं।



933 मरीज पूरी तरह से ठीक भी हो सामने आए हैं। राज्य में कुल



उल्लेख करते हुए किसानों के सम्मान अपनी ताकत को साबित किया है। बार खरीफ की फसल की बुआई प्रधानमंत्री ने कहा, ओणम का किया था। इस दौरान 59,403 मरीज वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की और कुल मरीज 17 हजार से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में में कई बातें कहीं। उन्होंने जानकारी दी कि देश के किसानों पिछले साल के मुकाबले 7% ज्यादा उत्साह आज विदेशी भूमि के दूर के ठीक भी हुए हैं और अब तक तरफ से सुबह आठ बजे जारी अधिक हो गए हैं। ओडिशा में रिकॉर्ड 6,233 नए मामले मिले हैं। पीएम मोदी ने कहा, ऋगवेद में मंत्र की मेहनत की बदौलत हमारे देश में इस हुई है। धान इस बार 10%, दालें 5%, किनारों की संख्या भी 27 आंकड़ों के मुताबिक देश में 3,014 नए केस सामने आए हैं और तीन दिन पहले 58 सौ से अधिक है- अन्नानां पतये नमः, क्षेत्राणाम पतये बार खरीफ की फसल की बुआई मोटे अनाज लगभग 3%, ऑयलसीड अमेरिका हो, यूरोप हो या खाड़ी के देश लाख 65 हजार 540 हो गई है। संक्रमितों की संख्या 35 लाख 42 कुल मरीजों का आंकड़ा एक लाख नए मामले मिले थे। राज्य में मरीजों नमः। अर्थात अन्नदाता को नमन है। पिछले साल के मुकाबले 7% ज्यादा लगभग 13%, कपास लगभग 3% बोए हों, ओणम का कहर हर जगह महसूस सक्रिय मामले साथ लाख 82 हजार हजार 733 हो गई है और अब तक को पार कर गया है। की संख्या दो लाख 25 हजार को किसान को नमन है। उन्होंने कहा कि हुई है। गए हैं। अब तक 64,536 63,498 लोगों की जान जा चुकी आंध्र प्रदेश में लगातार पांचवें पार कर गई है। अब तक 3,423 किसानों ने कोरोना जैसे कठिन समय में उन्होंने बताया कि हमारे देश में इस को बधाई देता हूं। एक अंतर्राष्ट्रीय त्योहार बन रहा है। कि हमारे देश में इस को बधाई देता हूं। एक अंतर्राष्ट्रीय त्योहार बन रहा है। क्रां की जान भी जा चुकी है।

और समाज को कृषि की शक्ति से







प्रयागराज सोमवार, ३१ अगस्त, २०२०

संक्षेप समाचार

विद्यालयों की मनमानी का विरोध करेगा एबीवीपी

फूलपुर। एबीवीपी ने फूलपुर नगर इकाई का विस्तार करने एवं आगामी कार्यक्रमों की

नहीं निकला मोहर्रम का जुलूस, न ही रखा गया ताजिया

रोजा रखें।





हंगामे बाद सूचना पर पहुंची पुलिस पूछताछ करते हुए

घूरपुर। घूरपुर के गौहनिया क्षेत्र में महिला के बच्चेदानी की लापरवाही से मौत का आरोप **खीरी।** तहसील अंतर्गत आज ग्रामीण स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में आपरेशन की गई। तो उसकी लगा अस्पताल को घेर हंगामा पत्रकार एसोसिएशन के तहसील इलाज के दौरान एक महिला की हालत और बिगड़ती चली गई करने लगे। हंगामे की सूचना पर अध्यक्ष ईश्वर चंद्र मिश्र का आकस्मिक



एक अपूर्णीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई होना आने वाले समय में मुश्किल है। जैसे ही इसकी जानकारी पत्रकारों को हुई खीरी, लेंड़ियारी बड़ोखर और कोरांव के पत्रकार सभी लोग मौके पर पहुंचकर शव यात्रा में शामिल हुए । भारतीय पत्रकार संघ के यमुनापार प्रभारी लवकुश द्विवेदी, संघ के प्रदेश महामंत्री वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण केसरवानी, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सदस्य सुशील केसरवानी, खीरी से अनुज कुमार, जिला मीडिया प्रभारी जाप, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र कुमार शुक्ला, साहब लाल कुशवाहा, कृष्णा केसरवानी, विनय गुप्ता, ओम प्रकाश, सत्यम शुक्ला आदि दर्जनों की संख्या में पत्रकार एवम ग्रामीण उपस्थित होकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

मौत हो गई। परिजनों ने और रात में अस्पताल में मौत हो पुलिस फोर्स भी पहुंच निधन हो गया। जहां पर परिजनों में लापरवाही का आरोप लगा गई। मौत हो जाते देख अस्पताल आक्रोशितो को समझाने बुझाने दुःख का माहौल व्याप्त है। हंगामा किया। हंगामा बढ़ता देख संचालक के हांथ पांव फूल गए। लगी। दबाव बढ़ता देख जानकारी के अनुसार रात में पुलिस फोर्स भी पहुंच गई। और परिजनों को बताया की अस्पताल संचालकों ने रुपये अचानक उनकी तबीयत खराब हुई मामला गरमाता देख अस्पताल के हालत खराब है उसे शहर ले देकर मामला को सलटाने में लग और इलायज के दौरान निधन हो गया संचालक के भी पसीना छूट गए। जाना पड़ेगा। आरोप है कि गए और परिजन कार्रवाई की ईश्वर चंद्र मिश्रा विगत 10 वर्षों से घंटों हंगामा के बाद जांन की अस्पताल के संचालक मरने के मांग पर अड़े रहे। घंटों बाद लगातार ग्रपए कोरा व तहसील अध्यक्ष कीमत देकर मामला को सलटाया बाद अस्पताल के संचालक स्वंय आखिरकार मरी महिला की तीन थे। जो एक बहुत ही मिलनसार और तब जाकर मामला शांत हुआ। के एंबुलेंस से शहर ले कर चल लाख कीमत देकर अस्पताल खुशमिजाज के व्यक्ति थे। उनके अंदर और परिजन शव लेकर घर गए। दिए और थोड़ी ही दूर जाने के संचालक कार्रवाई से बच एक विशेषता थी कोई भी व्यक्ति चाहे घूरपुर के गौहनिया क्षेत्र के एक बाद मौत हो जाने की बहाना निकला।उक्त सबंध में एसओ वह परिचित हो या अपरिचित कोई भी गांव की महिला अपने बीमारी थी बताते परिजनों को शव ले जाने घूरपुर भुवनेश कुमार चौबे ने मदत हेतु लेकर जाता था तो उसे ऐसा दो दिन पूर्व वह इलाज कराने) की बात करने लगे। रात भर) बताया कि इलाज के दौरान मौत) नहीं लगता था कि हम अपरिचित जगह गौहनिया की एक प्राइवेट महिला की शव अस्पताल में ही होने की शिकायत पर पुलिस आए हैं और तत्काल मद त के लिए अस्पताल में गई तो वहां भर्ती कर रहा। रविवार की सुबह परिजन पहुंची थी। बाद में दोनों पक्षों ने चल दिया करते थे। आज उनके लिया गया। शनिवार के दिन सहित सैकड़ो लोग पहुंच समझौता कर लिया था। आकस्मिक निधन पर पत्रकार संघ की

रोते बिलखते परिजन व जूटी महिलाएं



क्षेत्र के कोटवाँ गांव नि, मौजीलाल देवी, पत्नी विष्णु सोनकर महेन्द्र के मुख्य द्वार के भूमिपूजन के मुख्य यजमान सोनकर व मंजू देवी पत्नी विष्णू सोनकर दिनेश, सूरज, महेन्द्र, बिपिन ग्राम प्रधान नारीबारी संतोष कुमार शुक्ल व सोनकर के बीच जमीनी विवाद को सहित तीन अज्ञात के खिलाफ चौकी प्रभारी नारीबारी जगदीश कुमार रहे। लेकर रविवार सुबह करीब 10,बजे मारपीट बलवा सहित कई धाराओं में आचार्य आद्या प्रसाद ने विधिवत मंत्रोच्चारण दोनों पक्षों में कहासूनी गालीगुप्ता होने मामला दर्ज किया है। इंस्पेक्टर संजय के साथ पूजन कराया, इसके उपरांत यजमान लगा देखते ही देखते मंजू देवी के पक्ष द्विवेदी ने बताया कि मंजू देवी एक द्वय ने फावड़ा चलाकर आधारशिला रखी। के लोग लाठी डंडे ईंट पत्थर से लैस जमीन को बैनामा कराया है जिसपर मन्दिर का मुख्य द्वार सार्वजनिक सहयोग से होकर धावा बोल दिया जिसमे एक दूसरा पक्ष कब्जा है इसी बात को भव्य और दिव्य रूप से बनेगा। भूमि पूजन

डंडे ईट पत्थर में 6 घायल

मुख्य द्वार का भूमिपूजन रविवार को किया गया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा **हनुमानगंज।** सराय इनायत थाना सोनकर की तहरीर पर पुलिस ने मंजू पर स्थित नारीबारी में इस ऐतिहासिक मंदिर



प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के लगाया तो करेंट की चपेट में आ जमुई गांव में रविवार दोपहर गया। जब तक परिवार के लोग मोटर चालू करते समय करंट उसे बचाने के लिए कुछ कर लगने से एक युवा किसान की पाते, इसी बीच उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर परिजनों की सूचना पर पहुंची विधिक कार्रवाई की। सोरांव के पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जमुई गांव निवासी ज्ञान चन्द्र विधिक कार्रवाई की। अपर पटेल (32) पुत्र स्वर्गीय जगरूप पुलिस अधीक्षक गंगा पार नरेंद्र

पक्ष के मौजीलाल सोनकर,पत्नी ननकी लेकर एक दिन पहले ही दोनों पक्षों के समारोह में प्रमुख रूप से धर्मदास जी देवी माँ अनीता देवी, अनूप, शेरु, बीच गाली गलौज हुआ था जिसपर महाराज, पुजारी रमेश दास, विजय शंकर दिनेश, घायल हो गए। दूसरे पक्ष से पुलिस मौके पर पहुंचकर मामला सांत शुक्ला, महेंद्र कुमार शुक्ला, शरद कुमार भी दो लोगों को हल्की चोटें आई है। करा दिया था। उसी बात को लेकर गुप्ता, सूर्य कान्त शुक्ला, आदि लोगों ने पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के दोनों पक्ष आज सुबह फिर आमने मौजूद रहकर विधि-विधान से पूजन अर्चन लिए पीएचसी झूँसी भेजा । नंदलाल सामने भिड़ गए। किया और हर-हर महादेव का उद्वोष किया।

प्राचीन सर्वेश्वर हनुमान मंदिर के मुख्य द्वार का भूमिपूजन करते हुए

पटेल खेती करके तीन बेटियां कुमार सिंह ने बताया कि करेंट और पत्नी का भरण-पोषण करता लगने से एक किसान की मौत हो था। बताया जा रहा है कि रविवार गई। पुलिस शव कब्जे में लेकर दोपहर घर लगी मोटर चालू करने विधिक कार्रवाई करते हुए के लिए जैसे स्विच पर हाथ पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



शंकरगढ़। कस्बे के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस बार गणेश उत्सव की धूम रही, लेकिन कोरोना के प्रभाव से सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं हुए। गजानन भक्तों ने घरों पर या 🖉 मन्दिरों पर कुछ गिने-चुने लोगों के बीच पूजन अर्चन कर विघ्न-विनाशक गणेश भगवान की पूजा की। रविवार को हवन पूजन के साथ गणेश उत्सव का समापन किया गया। शंकरगढ़ कस्बे के साथ ऐतिहासिक सर्वेश्वर हनुमान मंदिर नारीबारी के प्रांगण में गणेश भगवान का पूजन हवन का आयोजन रिषि मोदनवाल आदि सहयोगियों के द्वारा किया गया जिसमें आचार्य आद्या प्रसाद, धर्मदास महराज, रमेश दास ने विधि विधान से



मुख्य यजमान ऋषि मोदनवाल आदि मुख्यतः शरद कुमार गुप्ता, प्रमोद कान्हा चतुवेर्दी, मोनू केसरवानी, शरद आदि के साथ नगरवासी महिलाओं ने के साथ पूजन हवन किया, जिसमें सोनी, संदीप गौतम, प्रदीप पान्डेय, कुमार गुप्ता, गिरीश कुमार चतुवेर्दी भी हवन पूजन किया।

प्रयागराज। लॉकडाउन के बाद शुरू हुए अनलॉक में काम की तलाश में श्रमिकों का प्रयागराज से व्यापक स्तर पर पलायन हुआ। शायद यही कारण है कि लॉकडाउन के तीन महीनों में जहां एक दिन में सर्वाधिक डेढ़ लाख श्रमिकों को रोजगार दिया गया था वो शनिवार को घटकर महज 33 हजार रह गया। लॉकडाउन के दौरान तमाम श्रमिक काम छोड़कर अपने घर आ गए थे। व्यापक पैमाने पर श्रमिकों को रोजगार दिया गया। इसमें पंचायत भवन, शौचालय बनाने, खेतों की मेड़ तैयार करने आदि तमाम काम दिए



अनलॉक में जिले से श्रमिकों का हुआ पलायन

गए। लेकिन इन श्रमिकों को मनरेगा जिलों में लौटने को मजबूर हो रहे शायद यही कारण है कि मनरेगा में ज्यादातर काम मिट्टी में होते हैं, जैसे के तहत अधिकतम मजदूरी 201 हैं जहां वे काम करते थे। अनलॉक जो संख्या एक लाख 50 हजार तालाब खोदने, खेतों की मेड़ तैयार रुपये दिन की मिलती थी। मनरेगा के बाद जब उद्योग गति पकड़ने पहुंच गई थी वो घटकर शनिवार करने आदि। जो बारिश में बंद हो के तहत मिलने वाली मजदूरी पूरे लगे तो पुरानी जगह से श्रमिकों को को 33 हजार हो गई। हालांकि जाता है। ऐसे में बहुत सारे श्रमिकों -परिवार के भरणपोषण के लिए वापस काम पर बुलाया जाने लगा। अधिकारी इसका दूसरा कारण यह का काम इस वक्त बंद है। डीसी पर्याप्त नहीं है। ऐसे में श्रमिक उन ऐसे में श्रमिक वापस जाने लगे। भी मानते हैं कि मनरेगा के मनरेगा कपिल कुमार का कहना है







प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

संक्षेप समाचार डेंगू से घटती है शरीर की प्रतिरोधक क्षमता

प्रयागराज। कोविड-19 के संक्रमण काल में डेंगू से भी बचने की आवश्यकता है। इसकी चपेट में आने से शरीर की इम्युनिटी कम हो जाती है जिससे कोरोना संक्रमित होने की आशंका ज्यादा हो जाती है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विमल कांत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की जनपद स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा निगरानी की जा रही है। जन जागरूकता के अलावा बुखार पीड़ित मरीजों के रक्त नमूने लिए जा रहे हैं। साथ ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और फागिंग का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षणों में तेज सिर दर्द, पीठ दर्द, प्लेटलेटस कम होना आंख के पीछे

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र के बैरहाना मोहल्ले में शनिवार की रात युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गाली को लेकर हुए विवाद के दौरान उसे मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। थरवई थाना क्षेत्र के

इसराइलगंज उर्फनाहरपुर गांव निवासी सुरेश (30वर्ष) पुत्र नन्हे शहर के बैरहना मोहल्ले के

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या





प्रयागराज। दारागंज थाना पंहुचे परिवार में माँ बेहोश पड़ी निवासी नरोत्तम उर्फ पंचू पुत्र थी विश्वस सूत्रो द्वारा बताया श्रीराम सब्जी का ठेला लगा गया परिवार के उपर पुलिस का कर अपना परिवार चलाते था दबाव था अन्तिम संस्कार स्थानीय फुटपाथ दुकानदारो ने कराने का जल्दबाजी में डरते हुये बताया कि तीन दिन दाहसंस्कार करा दिया गया पहले कच्ची सड़क पर पुलिस स्थानीय लोगों ने बताया परिवार ने पंचू को लाठी डुडो तात घूसों बहोत गरीब था, पुलिस आये से बुरी तरह पीटा जिससे दिन गरीबो का उत्पीड़न कर नरोत्तम सड़क पर गिर गया मुंह रही गाली देना लाठी मारना से खून फेक दिया घर वालों आम बात हो गई इस प्रकरण को सूचना मिलने पर अस्पताल की उच्च स्तरीय जांच करा

दर्द, तेज बुखार, नाक से खून बहना, जोड़ों में दर्द होना, उल्टी दस्त होना आदि है। लक्षण दिखने पर तत्काल इसकी जांच करानी चाहिए एवं साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बारिश के मौसम में डेंगू का प्रकोप ज्यादा होता है।	किराए का कमरा लेकर अपने दोस्त के साथ रहता था। बताय जा रहा है शनिवार की रात सुरेश और टिंकू सोनकर के बीच गार्ल गुप्ता शुरू हो गया। गाली के	र टिंकू सोनकर ने सुरेश को तमंचे ने से गोली मारकर फरार हो गया। गोली की आवाज सुनकर ग गृहस्वामी समेत अन्य लोग पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए। जे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर वारदात	जांच शुरू कर दिया। सुरेश के परिवार के लोग पहुंचे और रविवार सुबह पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज करके	घटना की जॉनकारी होते ही परिवार के ल पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले आत्महत्या की वजह घरेलू विवाद बता हत्या मामले में एक संदिग्ध	लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना तेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस 1 रही है।	हो गई। नेशनल हाकर फेडरेश के प्रदेश सचिव रवि शंकर द्विवेदी	दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाये पीडित परिवार को मुआवजा दिया जाये मृतक अपने पीछे छोटी बेटी व पत्नी छोड़ गया उसका गुजारा कैसे होगा।
डाएम ने	पीपीई वि	त्व्रम्ब्र	द्वोरीना मि	वाडों में ज	विर मराष	ते से ली	
प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी रविवार को मेडिकल कालेज के सभागार में बैठक कर कोविड-19 की समीक्षा की तथा कोरोना से हुई मृत्यु से सम्बंधित व्यक्तियों की रिपोर्ट भी ली। चिकित्सकों को मृत व्यक्तियों की केस स्टडी के आधार पर तथा							दो-दो मोबाइल फोन की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है यह भी कहा है कि फोन कॉल रिसीव करने हेतु दो-दो कर्मचारियों की अलग से तैनाती की जाये। बैठक के बाद जिलाधिकारी स्वरूपरानी अस्पताल पहुंचकर पीपीई
उनसे अनुभव लेते हुए अस्पताल में भर्ती गम्भीर प्रकृति के मरीजों के इलाज में विशेष सावधानी एवं सर्तकता बरतने का निर्देश दिया। तत्पश्चात पीपीई किट पहनकर कोरोना वार्ड में जाकर मरीजों से स्वास्थ्य के							किट पहनकर कोविड वार्डों एव आईसीयू वार्डों में जाकर एक-एक मरीजों से बातचीत करते हुए उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली उन्होंने मरीजों के चादरों को निरंतर बदलते रहने तथा वार्डों की साफ-सफाई

बारे में जानकारी ली। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा भर्ती मरीजों के बारे में कोई भी जानकारी यदि उनके परिजनों द्वारा मांगी जाये, तो उनको उनसे सम्बंधित भर्ती मरीज के

कोरोना मरीजों से मिलने जाते जिलाधिकारी चिकित्सकों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी स्वास्थ्य की सूचना दिए जाने हेतु तरह से जानकारी के बारे में कोई हो तो कोविड-19 के संदिग्ध गम्भीर ली जाये। निश्चित संख्या में बेड आवंटित कर दिए पूर्ण किया जा सके। जिलाधिकारी ने बरती जाये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जाये। कहा कि भर्ती मरीजों के अलग से कर्मचारी की तैनाती की परेशानी न होने पाये। उन्होंने यह भी मरीजों का समुचित कोविड आईसीयू वार्ड 7 व 8 में एस.पी सिंह, डब्लूएचओ के सदस्य व परिजनों की उनके मरीजों की अद्यतन जाये। जिससे परिजनों को किसी भी कहा कि ट्रायज एरिया में यदि सम्भव अलग-अलग वार्ड की व्यवस्था कर वार्डों में ड्यूटीरत स्टाफ नर्सो को एक उपचार व उनकी जरूरतों को समय से अलग-अलग एक-एक लैंडलाइन व अन्य चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

की व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त रखने का निर्देश दिया। कहा कि मरीजों को निर्धारित मानक के अनुसार समय से खाना एवं दवाईयां उपलब्ध होती रहे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न

निष्क्रिय समितियों में खुलेगी इफको और पीसीएफ की फ्रेंचाइजी

प्रयागराज। किसानों को खाद की समस्या से अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। उनकी सुविधा के लिए इफको और पीसीएफ की फ्रेंचाइजी खोली जाएगी। यह फ्रेंचाइजी ब्लॉक स्तर पर खोली जाएगी। निष्क्रिय हो रही साधन सहकारी समितियों में फ्रेंचाइजी खोली जाएगी। जिले में पहले से निष्क्रिय 21 समितियों में फ्रेंचाइजी खोली जा चुकी है। 20 समितियां अब भी निष्क्रिय चल रही हैं, जिसमें फ्रेंचाइजी खोलने की तैयारी है । सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता प्रमोद वीर आर्य ने बताया कि खाद के लिए किसानों की परेशानी दूर करने को कदम उठाया जा रहा है। पर्याप्त खाद आलू और गेहूं की खेती के लिए रखने की तैयारी कर ली गई है। 22 से अधिक समितियों में फ्रेंचाइजी खोलने की तैयारी है।



चिकित्सकों को कार्यमुक्त करने पर तुला हुआ है स्वास्थ्य विभाग प्रयागराज। एक तरफ जहां को रोना स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में कोरोना नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एस.पी काल में डॉक्टरों के लाले पड़ गए हैं वहीं से पीड़ित मरीजों के उपचार के लिए सिंह ने सभी को कार्यमुक्त करने का दुसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग मोतीलाल वरिष्ठ चिकित्सकों की आवश्यकता है। निर्देश दिया है। जबकि गोरखपुर नेहरू मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध उक्त जानकारी देते हुए रेजीडेण्ट डाक्टर मेडिकल कालेज के ऐसे चिकित्सकों को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में इमरान ने बताया कि 11 अगस्त को प्रमुख रोक लिया है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कार्यरत एमडी एवं एमएस विशेष सचिव स्वास्थ्य ने निर्देश दिया था कि कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस.पी.सिंह कहना चिकित्सकों को कार्यमुक्त करने में जुटा किसी भी एमडी एवं एमएस वाले सभी है कि सभी रेजीडेण्ट चिकित्सकों को हुआ है ' इसको लेकर चिकित्सकों में चिकित्सकों को कोरोना काल को देखते नियम के तहत कार्यमुक्त किया जा रहा आक्रोश व्याप्त है' डॉक्टरों की मांग है हुए कार्यमुक्त न किया जाए। लेकिन 25 है। जबकि वह नौकरी में रहते हुए

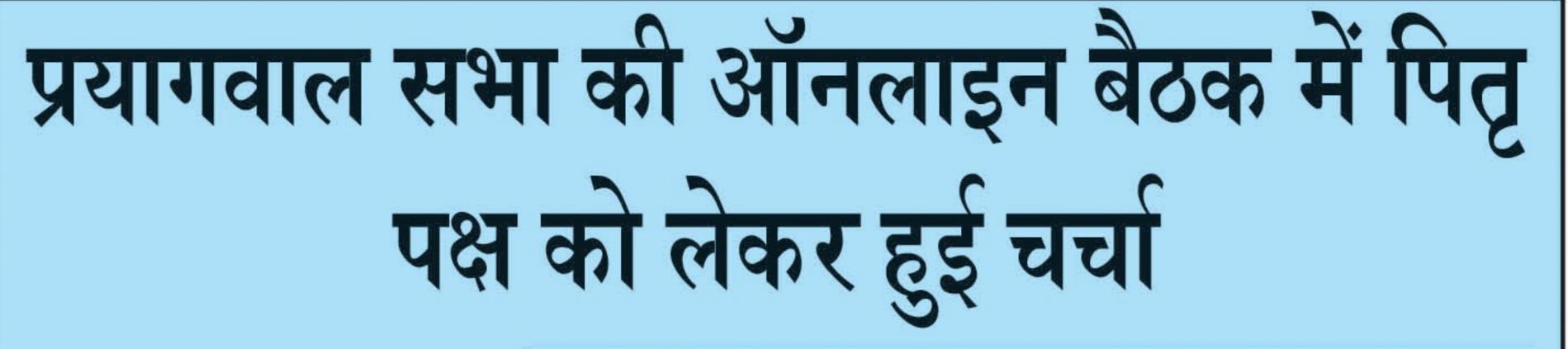
कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज की तरह अगस्त को महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण करने के लिए यहां आए हुए थे। उन्हें भी मेडिकल कॉलेज में रहने दिया एवं प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश ने सभी मेडिकल जब उनका प्रशिक्षण पूरा हो चुका तो बाद इस काम में तेजी लाई गई है। जाए। आरोप है कि उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य कॉलेज के प्राचार्यो को निर्देश जारी कर शासनादेश के साथ वैधानिक कार्रवाई की फिलहाल शहर के खुल्दाबाद, मुझीगंज, विभाग उन्हें जबरन कार्यमुक्त करने में दिया कि सभी को कार्यमुक्त कर दिया जा रही है। कुछ लोग जबरन दबाव तुला हुआ है। कोरोना महामारी के दौरान जाय। जिसको आधार बनाकर मोतीलाल बनाने के लिए ऐसा भ्रम फैला रहे हैं।

75 नए स्थानों पर ओपन एयर जिम का काम शुरू प्रयागराज। शहर में 75 नए पार्कों में ओपन एयर जिम का काम शुरू कर दिया गया है। अगले एक महीने में स्थानीय लोगों को जिम का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। स्मार्ट सिटी को शहर में 200 पार्कों में ओपन एयर जिम शुरू कराना है। शेष 125 पार्कों का चयन भी जल्द कर लिया जाएगा। स्मार्ट सिटी की सलाहकार कमेटी ने पिछले दिनों हुई बैठक में शहर के 200 पार्कों में जिम बनाने का काम जल्द शुरू करने का सुझाव दिया था। मुख्य रूप से सांसद रीता बहुगुणा जोशी के सुझाव के अल्लापुर और नैनी क्षेत्र में ओपन एयर जिम का काम शुरू कर दिया गया।

प्रयागराज।

गयी।

प्रयागवाल





के लिए प्रयागराज आकर तर्पण, कर सकता है। आनलाईन बैठक में व्यक्ति ही आये, अनावश्यक लोग न पिण्डदान कराने के इच्छुक होते हैं संतोष भारद्वाज, राजेश तिवारी ने आये। बैठक में आनलाईन पूर्वजों के तो प्रयागराज के तीर्थ पुरोहित सम्पूर्ण बताया कि अनेकों तीर्थ यात्रियों का पूजा पाठ पर कहा गया कि यह श्रद्धा कर्म लाकडाउन के नियम का पालन फोन से बराबर सम्पर्क है और का कार्य है जो व्यक्ति अपने पूर्वजों कर करायेगा। राजेंद्र पालीवाल ने लगातार तीर्थ यात्रियों द्रारा जानकारी को समय नहीं दे सकता वह जीवन कहा कि ऐसा भी पाया जाता है कि की जा रही है तथा उन्हें बताया भी में क्या करेगा। बताया कि पूर्ण रूपेण बहुत यात्रियों द्रारा समयाभाव के जा रहा है कि आज गया में पितृ पक्ष पितृ को व्यक्ति के हाथ से जल, कारण पितृ पक्ष का कार्य पार्ट में भी में रोक है। अभी आप प्रयागराज व पिण्ड, तिल आदि पाने से ही लाभ करते हैं। प्रयागराज काशी में कर काशी में पितृ पक्ष का कार्य पूर्ण कर होता है। सभापति सुभाष पांडेय, उप पुलिस ने बैरीकेडिंग कर दी, लिये तथा समय मिलने पर गया उसके पश्चात गया जाकर अपने कार्य सभापति राम कृष्ण तिवारी, गोपाल जाकर वहां के कृत्य कर लेते हैं जो पूर्ण कर सकते हैं। इसमे किसी मिश्र, संतोष भारद्वाज, विष्णु प्रोहा, अंत में पूर्ण हो जाता है। कभी कभी प्रकार की धार्मिक बाधा नहीं है। उपमंत्री अमरनाथ तिवारी, अर्थ मंत्री तो यात्री सीधे गया जाकर सभी सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने राजेश तिवारी, आडिटर उदय

अभियंता बूजेश कुमार का कहना है कि इस पानी से अधिक फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में बरसात कम हो रही है। उधर, रविवार को बंधवा रोड के पास क्योंकि यहां बाढ़ देखने वालों की भीड़ पहुंच रही थी। कोरोना संक्रमण को देखते हुए बंधवा रोड, दारागंज ढाल, संगम पुलिस चौकी के पास पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। जो लोग बाढ़ देखने आ रहे हैं, उनको वापस लौटा दिया जा रहा है। गंगा और



प्रयागराज। गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। हालांकि दो दिन से जलस्तर बढ़ने की रफ्तार थोड़ा धीमी है। रविवार को गंगा बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर के दरबार तक पहुंच गई। 653 फिरोजपुर उर्फ शेखपुर, फूलपुर इसके चलते बंधवा रोड पर बैरीकेडिंग कर दी गई। लोगों को आगे जाने से मना किया जा रहा विषय- प्राचीन भारतीय इतिहास-01 है। पिछले 24 घंटे के भीतर नैनी, छतनाग में 16 और फाफामऊ में 10 सेंटीमीटर जलस्तर में बढ़ोतरी उत्तराखंड, मध्य प्रदेश,

स्थित संघ कार्यालय में रविवार पर नहीं है। मनुष्य का पूरा

को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकार प्रकृति पर है, ऐसा

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मानकर जीवन चल रहा है।

का उद्बोधन सुनने के उपरान्त संघ जिसके दुष्परिणाम अब सामने आ

कार्यकर्ताओं ने आम तथा तुलसी रहे हैं। परस्पर अच्छे व्यवहार के

का पूजन-वंदन किया। इस दौरान कारण सृष्टि चलती है। लेकिन इस

सरसंघचालक के पाथेय को अपने भटके हुए तरीके के प्रभाव में

जीवन में उतारने का संकल्प लिया आकर हम उसको भूल गये हैं।

गया। हिन्दू स्प्रिचुअल सर्विस उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण विश्व

फाउंडेशन द्वारा रविवार को जिस एक चराचर चैतन्य में व्याप्त

पर्यावरण दिवस के ह्यप्रकृति है। उस चैतन्य को सृष्टि के हर

वंदनह्न कार्यक्रम में राष्ट्रीय वस्तू में देखना, उसको श्रद्धा व

स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक आत्मीयता से देखना, उसके साथ

डॉ. मोहन भागवत ने अपना मित्रता का व्यवहार करना और

उद्बोधन दिया। जिसमें उन्होंने कहा परस्पर सहयोग से सबका जीवन

पद, अंग्रेजी साहित्य- 01 पद, गृह विज्ञान- 01 पद, हिन्दी साहित्य- 01 पद, राजनीति विज्ञान- 01 पद, संस्कृत-01 पद हुई।

एवं समाज शास्त्र- 01 पद। **योग्यता-** नेट, पीएचडी, यूजीसी उ०प्र0 शासन द्वारा निर्धारित अर्हता के अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आवेदन पत्र प्रेषित करें। वेतनमान- उ०प्र० शासन द्वारा जारी शासनादेश के क्रम में वेतन देय होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 15 दिनों के अन्दर महाविद्यालय के उक्त पते पर आवेदन प्रेषित करें।

सिद्धार्थ त्रिपाठी

प्रबंधक

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित। मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0ः **UPHIN**2001/9025



राजस्थान और हरियाणा में इधर हो गई। हालांकि कानपुर बैराज से प्रयागराज पहुंचने की संभावना है। यमुना का जलस्तर बढ़ने पर तटीय तीन दिन से बारिश कम हो रही है, छोड़ा गया तीन लाख क्यूसेक पानी इसके बाद नदियों के बढ़ने की क्षेत्रों में सतर्कता भी बढ़ा दी गई है। जिसके कारण गंगा-यमुना में अभी संगम नगरी तक नहीं पहुंचा रफ्तार तेज हो सकती है। सिचाई लोगों से अलर्ट रहने को कहा गया कार्य पूर्ण कर भोज भण्डारा आदि अपने धार्मिक कृत्य हेतु आवश्यक मौजूद रहे। जलस्तर की रफ्तार काफी धीमी है। सोमवार सुबह तक इसके विभाग बाढ़ प्रखंड के अधिशासी है।

स्थानों की पूर्ति निमित्त करके सीधे सर्वसम्मत से तय किया कि सभी नारायण पांडेय के साथ अजय गया मे ही सम्पूर्ण कृत्य कर लेता है। तीर्थ पुरोहितों द्वारा अपने तीर्थ पांडेय, त्रिवेणी प्रसाद मिश्र, राज बैठक में बताया कि यात्री अपनी यात्रियों को यदि सूचना मांगी जाती है कुमार मिश्र, मनोज शर्मा, बांके सुविधा या महामारी को दृष्टिगत रखते तो बता सकते हैं कि सरकार के बिहारी तिवारी, श्याम मिश्र, कृष्ण हुए प्रयागराज व काशी में पितृ पक्ष दिशा निर्देश का पालन करते हुये कुमार शर्मा, कमल शर्मा, राम का कार्य पूर्ण कर सम्पूर्ण वर्ष में अपने धार्मिक कृत्य कर सकते हैं। बिहारी शुक्ला, दिवाकर शर्मा व समय निकाल कर गया श्राद्ध का उन्हें यह भी बताना आवश्यक है कि चुन्नु लाल आनलाइन बैठक में

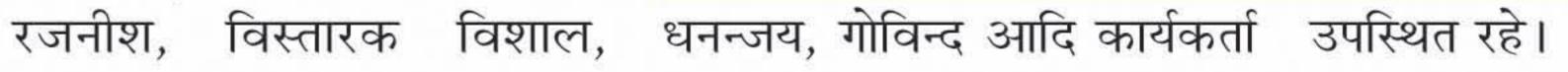


प्रयागराज। चक रघुनाथ मोहल्ले में रहने वाले भाजपा महानगर महामंत्री मयंक यादव की शिकायत पर सपा के एक पूर्व विधायक और उनके बेटे के खिलाफ नैनी कोतवाली में एफआईआर दर्ज हुई है। भाजपा नेता मयंक यादव का आरोप है कि अरैल उपरहार मौजे में उनकी मां मीरा यादव के नाम से एक प्लाट है। जिस पर वह शनिवार को अपने पिता राजकुमार यादव के साथ निर्माण कार्य करा रहे थे। आरोप है कि निर्माणकार्य के दौरान वहां पूर्व सपा विधायक सईद अहमद का बेटा कबीर दर्जनों लोगों के साथ असलहों से लैस होकर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए काम बंद करा दिया। मयंक के अनुसार कबीर ने कहा कि अगर दोबारा काम लगाया तो पिता-पुत्र दोनों की हत्या कर दी जाएगी। मयंक के अनुसार दो दिन पूर्व भी सपा के पूर्व विधायक ने उन्हें धमकी दी थी। इंस्पेक्टर नैनी राजकिशोर ने बताया कि मयंक यादव की तहरीर पर पूर्व विधायक और उनके बेटे पर एफआईआर दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि भारत में नदियों, पेड़-पौधों, तुलसी, गाय, सांप, पर्वतों आदि की पूजा होती है। ये सभी प्रकृति के संरक्षक हैं। इस अवसर पर जिला प्रचारक कि प्रेमसागर ने कहा सरसंघचालक के उद्बोधन को सनने के उपरान्त हम सभी का कर्तव्य बनता है कि इसे अपने जीवन में उतारें। साथ ही अन्य जनों को प्रेरित करें। इस दौरान भाग कुटुम्ब प्रबोधन प्रमुख नरेन्द्र देव राय, जिला संगठन मंत्री



वृक्ष का पूजन करते जिला प्रचारक











अखण्ड भारत सन्दश



प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

संक्षेप

डी यम ने किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी कौशाम्बी ने जिला अस्पताल मंझनपुर में कोविड-19 हेतु बनाये गये एल-2 आइसोलेशन वार्ड का निरीक्षण करते हुये उटड डॉ० पीएन चतुवेर्दी एवं उटर डॉ0 दीपक सेठ के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया भ्रमण कौशाम्बी डीएम कौशाम्बी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह द्वारा मोहर्रम के दौरान नगर पंचायत मंझनपुर एवं करारी का भ्रमण कर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया एवं लोगो से कानून व्यवस्था बनाये रखने

हेतु अपील की गयी दो पक्ष में चले लाठी डण्डे

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली के रामपुर

किराने की दुकान से दो लाख का सामान उठा ले गए चोर

सराय अकिल कौशांबी। पुलिस की लापरवाही से इलाके मामले की सूचना सैनी कोतवाली पुलिस को बेखौफ चोरों ने एक किराने की में जहां चोरों के हौसले बुलंद हैं पीड़ित दंपत्ति ने दी है लेकिन पुलिस ने मुकदमा भरवारी कौशाम्बी। भवन्स विद्या वि दुकान की दीवाल में पीछे से वहीं आम जनता भयभीत है। नहीं दर्ज किया है। घटनाक्रम के मुताबिक सैनी मेहता विधाश्रम स्कूल भरवारी में सेंध कर अंदर घुस गए और घटनाक्रम के मुताबिक सराय थाना के अंतर्गत सिराथू तहसील के क्षेत्र में ग्राम मेजर ध्यान चंद्र का जन्मदिन दुकान में रखा है काजू बादाम अकील थाने के पुरखास चौराहे सभा चक बखियार परसीपुर निवासिनी मीना देवी बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया नगदी सामान सहित दो लाख पर राम कुमार केशरवानी उर्फ पत्नी फूल का जमीन को लेकर पुरानी रंजिश रूपए कीमत का सामान चोर नेता जी की किराने की दुकान उठा ले गए हैं मामले की मे आधी रात को पीछे की जानकारी मिलने पर व्यापारी दीवाल में सेध कर दुकान में दुकान पर पहुंचा तो गायब चोर घुसे और दो लाख रुपये सामान को देखकर उसके होश कीमत का किराने का सामान उड़ गए हैं पीड़ित व्यापारी ने और नगदी चोर उठा ले गए है। दुकान में चोरी की सूचना सराय दुकान से चोरी गए समान में अकिल थाना पुलिस और काजू बादाम नगदी मेवा मसाला चौकी पुलिस को दी है लेकिन आदि काफी महगे समान को

समर्थकों समेत प्रधान ने दम्पत्ति को पीटा

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आधी रात को महिला और उसके पति पर प्रधान और उनके समर्थकों ने हमला कर दिया है घर में घुसे अपने समर्थकों समेत प्रधान ने महिला और उसके पति पर लात घूसा के हमला कर एक जमीनी विवाद में समझौते का दबाव बनाया है काफी दिनों से चल रही थी। मीना देवी के घर के पास से रास्ता निकालने को कह कर समझौते का प्रयास हुआ लेकिन मीना देवी के समझौता नही माना जिससे बौखलाए प्रधान पति रामनरेश अपने साथियों के साथ बंदूक तमंचा के साथ 29 अगस्त की रात को 9:00 बजे मीना देवी के घर में हमलावर घुस गए और मीना देवी उसके पति पर हमला कर दिया। हो हल्ला सुनकर गांव वाले दौड़े तो प्रधान अपने साथियों के साथ भाग खड़ा हुआ मीना देवी ने इसकी सूचना 112 नंबर डायल कर-

मेहता विधाश्रम स्कूल में मेजर ध्यान चंद्र का बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया जन्मदिन





मडुकी गांव में आम रास्ते के विवाद में दो पक्षो में जमकर लाठी डंडे व लात घूसे चले हैं मारपीट का वीडियोे वायरल हुआ है मारपीट में चार लोग घायल हुए हैं पुलिस ने 24 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई नही की है।

खबर लिखे जाने तक इस चोर उठा ले गये सुबह इसकी घटना का खुलासा पुलिस नहीं जानकारी मिलने पर राम कुमार कर सकी है इसके पूर्व भी उर्फ नेता जी ने तिल्हापूर गाव इलाके में कई घटनाएं हो चुकी चौकी मे रिपोर्ट की जिसमे हैं हैं उनका भी खुलासा थाना पुलिस कर्मियो ने मौके पर आ पुलिस नहीं कर सकी है थाना कर घटना की जांच की है। कर के आपकी यफ आई आर लिख दूंगा।

बनने के कुछ वर्षों में ही सड़के बन जाती हैं जलाशय

के दिया लेकिन पुलिस के जवान नहीं पहुंचे तो दूसरे दिन रविवार को मीना देवी ने प्रार्थना पत्र लिखकर थाना सैनी में दिया है। आरोप है कि थाना में तैनात सिपाही ने कहा कि प्रधान को फोन किया हूं जब प्रधान आ जाएगा उसके बाद उससे पूछ

पाने की वजह से ऑनलाइन सामान्य ज्ञान निबंध फैंसी डेस एवम योगासन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमे छात्र

भवन्स मेहता विधाश्रम स्कूल भरवारी में मेजर ध्यान चंद्र का जन्मदिन धूम धाम से मनाया गया।

प्रतियोगिता में कनिष्ठा सक्सेना पाल क्रमश प्रथम दिव्तीय तृतीय में सना खा प्रथम प्रजाल परमार छात्राओ ने हिस्सा लिया उनके प्रथम फैंसी ड्रेस में दिब्यअंश राज रहे। निर्णायक सुधाकर सिंह द्वितीय आयुष सिंह एवम फैज परिणाम इस प्रकार है। निबंध आया तो परवीन अर्पित सिंह अवधेश मिश्रा रहे सामान्य ज्ञान क्रमश तृतीय रहे।

सड़क निर्माण में बढ़ते भ्रष्टाचार पर शासन की उदासीनता का खामियाजा भुगत रही जनता

कौशांबी। कहने के लिए तो यह जिला डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का गृह जनपद है लेकिन उन्हीं के विभाग में भ्रष्टाचार इस कदर चरम पर व्याप्त है कि करोड़ों के बजट खर्च करने के बाद कार्य योजना का उपयोग आम जनता नहीं कर पाती है सड़क के बनने के कुछ दिन बाद ही खराब हो रही है इसके पीछे मुख्य कारण जो उभरकर आया है वह यह है कि लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न कार्य दाई संस्थाओं में जिले में भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी में तेजी से इजाफा हुआ है जिसके



ये हाल है क्षतिग्रस्त सड़क का

चलते ठेकेदार गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं वाले साइकिल और बाइक सवार और साइकिल से चलना भी जोखिम ठीक करने के मामले में जहाँ कर पाते हैं और निर्माण के कुछ गड़ों का अंदाजा नहीं कर पाते और भरा है और सड़क पर जब चार उदासीनता है वही घटिया निर्माण के महीने बाद ही सड़के ध्वस्त हो जाती गड्ढे में गिर कर चोटिल हो रहे हैं। पहिया लग्जरी वाहन और ट्रक जिम्मेदार पर शासन प्रशासन ने हैं। एक-दो बारिश में ही सड़क मंझनपुर मुख्यालय के पीछे नहर रोड निकलते हैं तो उनके गति के चलते कार्यवाही नहीं की है वही गड़े नुमा तालाब और जलाशय की शक्ल में की सड़क के गड़े पूरे विभाग के सड़क के गड़े के पानी के छींटे लोगों हो चुकी इस सड़क की मरम्मत की बन जाती है सड़कों पर बड़े-बड़े भ्रष्टाचार को खोलने के लिए पर्याप्त के घरों तक पहुँचते हैं जिसके चलते ओर भी अधिकारी और माननीयों ने गड्ने हो जाते हैं जिसमें पानी भर जाता है इस सड़क पर पैदल निकलना पूरी लोगों के घर गंदगी पहुंचती हैं। भी पहल नहीं की है जिससे जनता है जिसके चलते सड़कों पर चलने तरह से मुश्किल हो गया है बाइक लेकिन सड़क पर हो रहे गड़े को परेशान है।

सूरदास ने लगाया वर्दी पर गंभीर आरोप कौशाम्बी मंझनपुर। कोतवाली पुलिस की अभद्रता को लेकर करने के एक सूरदास ने आला अधिकारियों को भेजे शिकायती पत्र में गंभीर आरोप लगाए हैं। मंझनपूर करूबे के रहने वाले लाल चंद्र वर्मा पुत्र महाराज दीन वर्मा दोनों आंखों से अंधे हैं लाल चंद्र वर्मा का कहना है कि दिव्यांग होने पर भी आत्म बल के साथ वह समाज व राष्ट्र की मुख्यधारा में रहकर समाज सेवी हैं और पुलिस मित्र एपीओ जिले का दिव्यांग अध्यक्ष व भ्रष्टाचार निवारण संगठन भारत सरकार द्वारा पुलिस संरक्षक प्रतिष्ठित समाजसेवी खाद विभाग में राज्यपाल द्वारा सदस्य जिले में नियुक्त है न्याय पक्ष को लेकर दिव्यांग होने के बाद भी वह अन्याय के विरुद्ध सेवा करता रहता है सूरदास लालचंद्र का कहना है कि 24 अगस्त को वह अपने निजी मामले में मंझनपूर कोतवाली गया था लेकिन मंझनपुर कोतवाली के एक दरोगा और दो आरक्षी ने अंधा वाचक गालियां देते हुए कहा कि अंधे साले नेतागिरी करते हैं और इसके लिए अंधे विकलांग का अलग थाना होना चाहिए। आरोप है कि दरोगा ने कहा कि हम अंधे लंगड़े की नेतागिरी नहीं मानते यह खुद ही मरे मनाए हैं और ऐसे नेताओं को हम लात मारकर थाने से भगाते है।



चलते ऐसे झोलाछाप डॉक्टर विपरीत संचालित हो रही हैं जो क्लीनिक संचालकों पर कार्यवाही खुले आम अपनी दुकान जनपद के स्वास्थ्य विभाग को करने की मांग कर रही हैं।

बडे बिजली चोरों पर कार्रवाई नहीं कर रहा ऊर्जा निगम

सिराथू कौशाम्बी। जनपद में बिजली चोरी रोकने के लिए बिभागीय अधिकारियों के साथ फिलहाल विजिलेंस की टीम भी काम कर रही हैं, लेकिन आंकड़ें बता रहे हैं कि विजिलेंस टीम के हाथ सिर्फ गरीबों तक ही सीमित है।मृतक के नाम चल आवभगत के कारण इन पर कार्रवाई कनेक्सन धारक की मौत हो चुकी है पर बड़ा सवाल है।

मृतक के नाम चल रहे बिधुत कनेक्शन में बीस साल से हो रही बिधुत चोरी पर बिभाग ने साध रक्खी है चुप्पी

नहीं होती है किछ मामलों में बिभागीय रहे बिधुत कनेक्शन में बीस साल से लोग बिजली चोर से जेब की वसूली हो रही बिधूत चोरी पर बिभाग ने चुप्पी कर गुनाह माफ कर देते है है। कनेक्शन धारक देवनारायण की साध रक्खी है। बिजली चोरी रोकने के इसी तरह का एक मामला मौत 20 वर्षो पूर्व हो चुकी है मौत के लिए ऊर्जा निगम के अधिकारियों की देवनारायण पुत्र बेनी प्रसाद निवासी बाद भी यह कनेक्शन मृतक के नाम कार्रवाई केवल आम लोगों पर ही हो बारातफारिक तहसील सिराथू का है चल रहा है और उसका लड़का शिव पाती है, जबकि बड़ी मात्रा में बिजली इनके नाम 10 एचपी का एक नलकूप भवन देवनारायण बनकर नलकूप चला चोरी करने वालों की ओर विभागीय कनेक्शन बारातफारिक गांव में चल रहा है जबकि देवनारायण की मौत हो अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता है। रहा है यह नलकूप का कनेक्शन 4 चुकी है यदि किसी कारणवश विद्युत या फिर बिधुत चोरी के मामलों में अक्टूबर 1991 को हुआ है जिसका हादसा हुआ तो क्या मुकदमा मृतक बिभागीय संलिप्तता है यह जांच का कनेक्शन नंबर 4053 / 007118 है देवनारायण के नाम प्रशासन दर्ज विषय है यही कारण है बड़ी चोरी) इसका बिल संख्या 3062 547 और) कराएगा तो फिर गिरफ्तारी और जुमार्ना करने वाले बिधूत चोर मौज लेते रहते अकाउंट नंबर 75 17 24 7473 81 वसूलने की कार्यवाही मृतक से हैं। ऊंची पहुंच और अधिकारियों की है कनेक्शन स्वीकृत के कुछ वर्ष बाद यमलोक में होगी यह बिधुत व्यवस्था

लेकिन कनेक्शन नही बन्द हुआ। इस 10 हॉर्स पावर के कनेक्शन को लेकर इस व्यक्ति के बेटों ने नलकृप में 15 हॉर्स पावर की मोटर डाल दिया है कई बार शिकायत के बाद कार्यवाही नहीं हई है बीते 15 वर्षों से कनेक्शन धारक के बेटे बेखौफ होकर विद्युत चोरी कर रहे है और बिभागीय अधिकारी मौन

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष बने आशीष कुशवाहा अझ्वा कौशाम्बी। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने आने वाले चुनावों के लिए कमर कस ली है और संगठन की मजबूती के लिए नए चेहरों को तय करने की कवायद शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष ,समाजवादी लोहिया वाहिनी,समाजवादी युवजन सभा के पदाधिकारियों की लिस्ट जारी कर समाजवादी समर्थकों में उत्साह उत्पन कर दिया। उसी कड़ी में कड़ा धाम के रहने वाले युवा समाजवादी समर्पित कार्यकर्ता आशीष कुशवाहा को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष बनाया है इस खबर पर आशीष के निष्ठावान समर्थकों ,शुभचिंतकों ने खुशी व्यक्त करते हुए एक दूसरों को बधाई दी पार्टी को धन्यवाद कहा ।

जिला अस्पताल के सामने सड़क की जमीन कब्जा करने की होड़

प्रशासन और कब्जा धारकों की लुकाछिपी के खेल में देखते देखते हो चुकी डेढ़ दर्जन से अधिक पक्की दुकाने निर्मित नाली और पटरी पर अवैध कब्जा कर लिए जाने से जिला अस्पताल परिसर और गेट पर फैल रहा नाली का पानी जिससे व्याप्त है गंदगी

कौशाम्बी।सरकारी जमीनों में अवैध कब्जों के मामले को देखना है तो आपको कौशांबी जिले की व्यवस्था देखनी होगी



जिला अस्पताल जहां सड़क पर हो रहा अवैध कब्जा।

इस जिले की सरकारी संपत्तियों में कब्जा हो गया है खुलेआम सड़क की पटरियों अस्पताल परिसर में फैल रहा है मुख्य गेट के अधिकारी नगर पालिका के अधिकारी करा कर राजस्व कर्मी मालामाल हुए हैं पर अस्पताल बाउंड्री के बाहर निर्माण की पर पानी भर जाने से बीमार और कमजोर बार-बार शिकायतों के बाद भी सरकारी बात अधिकारी भी देख रहे हैं लेकिन मरीजों को अस्पताल आने में भी नहीं है आखिर सड़क की पटरिया पैदल जमीनों के कब्जे को रोकने के प्रति आला अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही नहीं दिक्कतें होती हैं लेकिन इस समस्या के और साइकिल से चलने वालों के लिए अधिकारी भी गंभीर नहीं है लुकाछिपी के शुरू हो सकी हैं। जिला अस्पताल के समाधान के प्रति जिम्मेदार उदासीन है छोड़ी जाती हैं फिर इस पर पक्के भवन इस खेल में जिले की सरकारी संपत्तियों बाउंड्री के बाहर नाली और पटरी पर गंदगी के चलते अस्पताल में आने वाले कैसे बनते हैं इसका जवाब देह कौन है पर रोज कब्जे हो रहे हैं अकेले जिला पक्की दुकानों का निर्माण कर लिए जाने मरीज और उनके परिजन संक्रमण बीमारी लेकिन पक्के भवन बनाने के बाद अस्पताल के सामने सड़क की नाली और से जिला अस्पताल का गंदा पानी नाली से के चपेट में आते हैं लेकर इस गंभीर धराशाही करने के प्रति किसी भी पटरियों पर देखते-देखते कुछ वर्षों में डेढ़ नहीं बह पाता जिसके चलते जिला समस्या है के समाधान के प्रति अधिकारी अधिकारी की ओर से कोई सार्थक

पक्की दुकानों के निर्माण के बाद दो दर्जन से अधिक दुकानें निर्माण कराने की फिराक में कब्जा धारक है कुछ जगहों पर छप्पर झोपड़ी डालकर और जमीन में मिट्टी डालकर अपना मालिकाना हक सरकारी जमीन पर कर दिया गया है और जैसे ही कुछ दिन की छुट्टी का मौका मिलेगा झोपड़पट्टी हटाकर पक्की दुकानें बना दी जाएंगी बीते दस दिन से जिला अस्पताल के बाहर पटरी पर नाली कब्जा कर आधा दर्जन दुकानें निर्मित हो रही है बार-बार लोगों ने जिम्मेदारों से शिकायत की लेकिन अवैध निर्माण को रोकने के प्रति जिला अस्पताल प्रशासन मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोक निर्माण विभाग तहसील और पुलिस के अधिकारी गंभीर दर्जन से अधिक पक्की दुकानों का निर्माण अस्पताल का गंदा पानी मुख्य गेट पर और गंभीर नहीं है। डेढ़ दर्जन से अधिक कार्यवाही होती नहीं दिख रही है।



घटनास्थल पर दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार।

कार और दोपहिया में भिड़ंत तीन लोग घायल

मंझनपुर कोतवाली के मंडी समिति ओसा के पास हुआ दर्दनाक हादसा ओसा कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के मंडी समिति ओसा के पास कार और दोपहिया बाइक सवार में टक्कर हो गई है जिससे बाइक सवार तीन लोग गंभीर घायल हो गए हैं घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के चक नारा गांव निवासी विपिन कुमार मोदनवाल पुत्र श्याम लाल मोदनवाल अपने साथी पप्पू पुत्र मोहम्मद और जिसान पुत्र फैयाज किसी काम से बाइक से मंझनपुर आए थे और बाइक सवार वापस ओसा चौराहा जा रहे थे बाइक सवार मंडी समिति इफको एजेंसी के पास सामने से आ रही कार से टकरा गए जिसमें पप्पू और विपिन की हालत गंभीर है जिसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां घायलोे का इलाज चल रहा है।

सड़क पर गुजर कर देखी जा सकती है सड़क की दुर्दशा

96 लाख से गड्ढा युक्त सड़क का होगा पुनर्निर्माण, बिना चौड़ीकरण किये ही हो रहा निर्माण

अझवा कौशाम्बी। नगर पंचायत का अति व्यस्त मार्ग जो सांखा धुमाई बरीपुर धाता सहित सैकड़ों ग्राम सभाओं को जोड़ने वाला मार्ग है नगर पंचायत के सायरी माता तिराहे से अझुवा सांखा मार्ग के आबादी भाग तक सड़क में गड्ढे हैं कि गड्ढे में सडक कहा नही जा सकता नगर पंचायत के अंदर कुछ स्थानों में यह सड़क इतनी संकरी है कि इस पर एक कार सवार और साइकिल सवार साथ में नहीं निकल सकते जिससे भीषण जाम का सामना लोगो को करना पड़ता है जिसके चलते हमेशा विवाद होते रहते है इस पर गुजर कर ही इस सड़क की दुर्दशा को देखा जा सकता है।



गड्ढ़ायुक्त सड़क की दयनीय स्थिति।

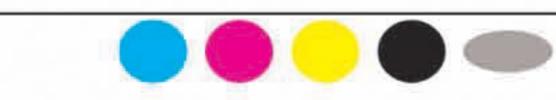
प्रदेश के लोकनिर्माण विभाग के देश में तबाही मचाना शुरू कर दिया किया जाना था जबकि मौके पर समय समय पर सम्मानित कैबिनेट मंत्री उपमुख्यमंत्री केशव जो अभी भी लोगों पर कहर बन रही ठेकेदार ने 3 मीटर चौड़ी सड़क अखबारों में भी सड़क की दुर्दशा प्रसाद मौर्य से मिलकर समाधान का है जिससे सड़क निर्माण का मामला बनाने की फिराक में है। नगर की खबर चलाई गई आज भी यह प्रयास किया था जिस पर डिप्टी ठंडे बस्ते में चला गया और सभी पंचायत अझूवा के वासियों ने सड़क अपनी दुर्दशा पर रो रही है। सीयम ने संबंधित अधिकारियों को कार्य रोक दिए गए। मई माह में इसी जिलाधिकारी से अपील की है कि सड़क की दुर्दशा को संज्ञान लेकर मौका मुआयना कर पुनर्निर्माण मार्ग जीटी मार्ग अझुवा बाजार से सड़क को मानक और गुणवत्ता पूर्ण भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता करवाने का निर्देश दिया था। इसी अझुवा सांखा मार्ग के आबादी भाग बनवाया जाए और दोषी जनो पर मंगल प्रसाद मौर्य ने जनवरी माह में बीच वैष्विक महामारी कोरोना ने तक सी सी द्वारा पुनर्निर्माण का कार्य दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

इसी सम्पर्क मार्ग को लगभग 2 वर्षों में आनन फानन रात में निर्माण कर मानक और गुणवत्ता विहीन बनाकर जिम्मेदारों ने सरकारी धन का बंदर बांट कर लिया था। सूत्रों के अनुसार सरकार ने इस सड़क को पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार के लिए 96लाख 28 हजार रुपये अवमुक्त किया है, सड़क की लंबाई 875 मीटर और चौड़ाई साढ़े 5 मीटर के साथ सड़क के दोनों तरफ नाली का भी निर्माण

तालाब की भूमि पर बने मकान पर कब बूलडोजर 96.28 लाख रुपये में टेंडर हो गया जिसको पूर्ण करने की अवधि चलवाएगा तहसील प्रशासन! वषार्काल सहित 3 माह रखी गयी जिसका बीती रात से पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गयी है विदित रहे गांव जाने वाले लेखपाल कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के पश्चिम शरीरा ग्राम पंचायत के भी तालाब पर बने भवन रामाधीन के पुरवा में तालाब की को रोज देख रहे हैं भूमि नंबर 286 पर अवैध कब्जा कर घर बना लिया गया है इसकी ली थी। लेकिन उप जिला शिकायत भी ग्रामीणों ने तहसील में अधिकारी के कार्यवाही के बाद किया और गांव जाने वाले फिर अशोक कुमार ने सरकारी लेखपाल भी तालाब पर बने भवन आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए को रोज देख रहे हैं लेकिन तालाब फिर से सरकारी तालाब पर कब्जा पर बने भवन को गिराए जाने की जमा लिया है इन लोगों को किसका प्रक्रिया तहसील प्रशासन ने नहीं की संरक्षण मिला हुआ है जिसके है। इसी गांव में अशोक कुमार चलते इनके हौसले बुलंद है विश्वकर्मा भइयान पुत्र मुन्नालाल आखिर तालाब पर बने मकानों को का गांव के छछोरिया तालाब में बुलडोजर से गिराने वाले तहसील पक्का मकान बन गया है अशोक के अधिकारी इन दोनों मकानों को कुमार के कब्जे पर मंझनपुर उप) कब बुलडोजर लगाकर मकान जिलाधिकारी ने कार्यवाही करते गिराएंगे इस का इंतजार रामाधीन हुए सरकार के कब्जे में जमीन ले पुरवा गांव के ग्रामीण कर रहे है।















प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

संक्षेप चिकित्सक ने वकील से

की अभद्रता

प्रतापगढ़। सीएचसी में इलाज कराने आए वकील ने एक डॉक्टर पर अभद्रता करते हुए फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत एसडीएम से की गई है। कंधई थाना क्षेत्र के पूरे बाबू निवासी वरुण कुमार पांडे ने बताया कि वह पट्टी तहसील में वकालत करते हैं। शुक्रवार को तबीयत खराब होने के कारण वह सीएचसी पट्टी में इलाज कराने आए थे। उन्होंने पूर्व में कराई गई अपनी जांच रिपोर्ट डॉक्टर को दिखाते हुए समुचित इलाज का अनूरोध किया। रिपोर्ट देखने के बाद डॉक्टर ने बताया कि मलेरिया है। आरोप है कि वकील ने सीएचसी पट्टी में दोबारा जांच कराने का अनूरोध किया तो चिकित्सक ने सीएचसी में जांच संभव ना होने की बात कहते हुए मलेरिया व टाइफाइड से संबंधित इलाज आयूर्वेद अस्पताल में होने की बात कही। वरुण ने सरकार की ओर से सभी सीएचसी मे दवा व जांच की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की बात कही तो चिकित्सक ने अभद्रता करते हुए वकील के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की धमकी छेड़खानी के आरोप में युवक को जमकर पीटा प्रतापगढ़। युवक को किशोरी से छेड़खानी करने की बात कहकर ग्रामीणों ने जमकर पीटा। लाठियों से पीटने के बाद उसे सड़क पर फेंककर भाग निकले। पुलिस उसे इलाज को सीएचसी ले गई। वहां से गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर कर दिया गया। किशोरी और परिजनों को पुलिस थाने लाई है।कूंडा के पूरानी बाजार का रहने वाला छोटू (25) ई-रिक्शा चलाता है। शनिवार को दोपहर में वह ई-रिक्शा लेकर बेती बाईपास की ओर गया था। सड़क किनारे अमरूद के बाग में वह एक किशोरी से बात कर रहा था, तभी किशोरी के परिजनों ने छेड़खानी का शोर मचा दिया। गांव के लोगों ने छोटू को जमकर पीटा। पीटने के बाद सङ्क पर छोड़कर भाग निकले। किसी ने यूपी 112 को फोन किया तो पुलिस पहुंची।

प्रकृति के संरक्षण से विकास को नया आयाम देना सम्भव : संगम लाल गुप्ता

प्रतापगढ़। संगम यूथ फाउण्डेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं समाज मे वनों की महत्ता को 21वीं सदी के नौनिहालों में संचारित करने के उद्देश्य से प्रकृति वन्दन महाकुम्भ का आज शुभारम्भ किया गया। एक वर्षीय इस अभियान में संगम युथ फाउण्डेशन द्वारा जनपद के गांव गांव में वृक्षारोपण किया जाएगा और इस अभियान का श्री गणेश फाउण्डेशन के संरक्षक प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता ने अपने निज निवास पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व विश्वनाथगंज विधानसभा प्रतिनिधि लोकेश गुप्ता को संगम यूथ फाउण्डेशन



पौधा भेट करते संगम लाल गुप्ता

अवसर पर सांसद संगम लाल गुप्ता ने सुनिश्चित है। भौतिकवादी युग मे यदि हम वार्षिक प्रकृति वन्दन महाकुम्भ में कम से पूर्व निर्धारित ग्रामसभा में आयोजित किया

युवा एवं व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों है और यदि प्रकृति की कृपा रहेगी तो कार्यकताओं को शुभकामनाएं देते हुए वर्ष भर जनपद में आयोजित होने वाले की उपस्थिति में वृक्ष भेंट कर किया। इस समाज के हर क्षेत्र में विकास में सुगमता प्रतापगढ़ के सम्मानित जनमानस से इस वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रत्येक रविवार को

गुप्ता जी की अध्यक्षता में विगत 28 अगस्त को संगम यूथ फाउण्डेशन की महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई जिसमें फाउण्डेशन के आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई और पूर्व निर्धारित वृक्षारोपण महाकुम्भ की रूपरेखा सुनिश्चित की गई। फाउण्डेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनन्द सिंह शिल्पी ने अध्यक्ष के निर्देश पर बैठक के दौरान वर्ष भर आयोजित होने वाले इस वृक्षारोपण महाकुम्भ की निर्धारित रूपरेखा की समीक्षा की जिसके अनुसार

कोरोना काल में न

दो पक्षों में चले लाठी डंडे, दस चुटहिल एक रेफर

प्रतापगढ़। जमीन पर मिट्टी डालने के विबाद को लेकर दो पक्षों में विवाद के चलते मारपीट हो गयी। सांगीपुर थाना क्षेत्र के रीठी गांव में काफी समय से जमीन का विवाद चला आ रहा है। बीते शुक्रवार की सुबह लगभग नौ बजे विवादित जमीन पर प्रतिनिधि व फाउण्डेशन उपाध्यक्ष लोकेश गांव के धर्मेंद्र मिट्टी डाल रहे थे इस गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश पर पड़ोसी संतराम ने उसे मिट्टी डालने से मना किया। विवाद बढ गया जिसके चलते दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे पर लाठी डंडे लेकर टूट पड़े। मारपीट में दोनों तरफ के दस लोगो को चोटे आई है । घायलों में एक पक्ष के संतराम वर्मा, अरबिंद वर्मा,सूरज वर्मा,मनीषा पुत्री तुलसी राम वर्मा,रामा देवी, पत्नी,सन्तराम आरती पुत्री सन्तराम वही दूसरे पक्ष के धर्मेंद्र वर्मा, दसरथ व रेखा देवी

को चोटे आई है । घायलों को पुलिस उपचार के लिए सी,एच, सी,सांगीपूर ले गयी। वहां सन्तराम की गम्भीर

प्रयागराज रेफर कर दिया। रविवार

को दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को

घटना के बावत तहरीर दी गयी।

हालत

रही है।

देख डाक्टरों ने उसे



रक्तदान संस्थान द्वारा एक यूनिट रक्त दान करते।



फामेर्सी लीलापुर प्रतापगढ़) के जन्मदिन सिंह (अभी ग्राम प्रधान बासुपुर कटैया

करवाया गया। गणेश प्रताप सिंह का शायर अर्सलान प्रतापगढ़ी ठाकुर गणेश

जन्मदिन संस्थाध्यक्ष व समस्त संस्था के प्रताप सिंह, संस्था अध्यक्ष निर्मल पाण्डेय

पदाधिकारियों द्वारा केक काटकर धूमधाम मोहम्मद अयान आदि मौजूद रहे।

के शुभ अवसर पर एक यूनिट का रक्तदान सड़वा चंद्रिका प्रतापगढ़) आशीष सिंह,

प्रतापगढ़। आज रक्तदान संस्थान से मनाया गया। आज संस्था के लिए प्रतापगढ़ के अध्यक्ष निर्मल पाण्डेय के रक्तदान करने वाले रक्तदाता सिराज निर्देशन में संस्था के प्रमुख सहयोगी अहमद निवासी आजाद नगर की उम्र ठाकुर गणेश प्रताप सिंह(व्यवस्थापक-) लगभग 20 वर्ष है। सिराज के द्वारा संस्था जय राजकुमारी बाबा पारस पाल के लिए स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। महाविद्यालय, एवं उमा कॉलेज आफ आज के प्रमुख सहयोगियों में ठाकुर कुंदन

फाउण्डेशन के सभी पदाधिकारियों एवं अपनी प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का कम 1 वृक्ष लगाकर उसके संरक्षण के जाएगा फाउण्डेशन के कार्यकताओं के कार्यकताओं को सन्देश देते हुए कहा कि पालन करते है तो हमारा देश निश्चित रूप संकल्प के साथ सहभागिता हेतु अपील साथ सथा सथानीय जनमानस की समाज मे जीवनयापन के लिए प्रकृति के से सर्वांगीण विकास करेगा। सांसद संगम किया। प्रकृति वन्दन महाकुम्भ कार्यक्रम सहभागिता इस कार्य मे सुनिश्चित करना पुलिस का कहना है कि जांच की जा साथ संतुलन बनाए रखना बहुत आवश्यक लाल गुप्ता ने फाउण्डेशन के सभी के विषय मे जानकारी देते हुए सांसद संगठन का मुख्य लक्ष्य होगा। खुद को रखो संभाल ये लोगों की राय है प्रतापगढ़।कोरोना काल में गाइडलाइन का पालन करते हुए काव्य गोष्ठी का आयोजन शहर के सिविल लाइन में वरिष्ठ साहित्यकार पं. भानू प्रताप त्रिपाठी मराल के संरक्षण में किया गया। इसमें कवियों ने कोरोना वायरस को देखते हुए फिजिकल दूरी के साथ कविताएं सुनाई। प्यार-मोहब्बत से लेकर कोरोना और महंगाई जैसे विविध विषयों पर रचनाएं पढ़ीं। वरिष्ठ रचनाकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल श्याम ने मुक्तक पढ़े..फूलों के संग कांटे मिलें छांटते चलो, छोटी सी जिंदगी है प्यारा बांटते चलो। कथा व्यास कवि पं. अवध नारायण शुक्ल वियोगी की पंक्तियां देखें..खुद को रखो संभाल ये लोगों की राय है, बहके कहीं न चाल ये लोगों की राय



काव्य गोष्ठी का आयोजन भानु प्रताप त्रिपाठी मराल के संरक्षण में हुआ

है। गीतकार गजेंद्र सिंह विकट ने गीत) कोरोना बीमारी ए भइया घर पे) कालजयी साहित्य महारथी बताया। सुनाया..तुम्हे आजमाने को जी चाहता रहा..इहै बाटे आदेश सरकारी ए भइया अध्यक्ष डा. संगम लाल त्रिपाठी भंवर है, बहुत हो चुकीं अब मोहब्बत की घर पे रहा..। कार्यक्रम के संरक्षक ने गीत सुनाए। कवि आमोद त्रिपाठी बातें, रूठो मनाने को जी चाहता है..। वरिष्ठ साहित्यकार भानु प्रताप त्रिपाठी और संचालक व्यंग्यकार ओम प्रकाश गीतकार सुनील प्रभाकर ने गीतों से मराल ने कहा कि कविता हर काल में पंछी, समापन अतिथि अधिवक्ता रस बरसाया..घुल गया है फिजा में रही है और रहेगी। प्रतापगढ़ में बीआर पांडेय ने सबका स्वागत जहर देखिए, हर दवा हो गई बेअसर साहित्य सृजन की अविरल धारा किया।साहित्य सेवा के लिए कार्यक्रम देखिए। कवि राज नारायण शुक्ल बहना सुखद है। मुख्य अतिथि डा. में कवि मराल का सारस्वत सम्मान भी

ताजिया न अखाड़े, और न जुलूस ताजियादारो के चेहरे पर छाई मायुसी प्रतापगढ़। कोरोना वायरस महामारी के चलते इस बार दूसरे त्योहारों की तरह मोहर्रम भी सूना ही बीत रहा है। न खूबसूरत ताजिया सजाए गए हैं और न ही अखाड़ों की फन ए सिपहगीरी देखने को मिल रही है। जहां रखहा, ईसनपुर कन्धई की सड़कों पर हजारों की भीड़ वाले जुलूस नदारद है। सरकार ने संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए गाइडलाइन जारी की है इसके तहत पाबंदियों के साथ मोहर्रम का महीना बीत रहा है कन्धई बाजार जहां ताकिया और मीरानपूर से ताजिया उठ कर कन्धई बाजार में मिलन होता था। जहां देर शाम तक चलने वाला जुलूस इस बार नहीं निकाला गया सभी ताजियादारो अपने घर पर रहकर मोहर्रम मना रहे हैं ताजियादारों के चेहरे पर मायूसी छाई है।

लूट व पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपित को पुलिस ने भेजा जेल

प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र के शीतलागंज बाजार में देशी शराब की दुकान से ठेकेदार के भाई शिवशंकर और सेल्समैन राजबहादुर से बीते 22 अगस्त को रात सवा नौ बजे 22400 रुपए, दो मोबाइल और गहने की लूट और खिरीबीर पुल के पास पुलिस द्वारा की गई घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग करने के मामले में सीसीटीवी फुटेज और पुलिस जांच में प्रकाश में आए तीसरे आरोपित रणजीत सिंह उर्फ मेजर निवासी रतनमई थाना कंधई को शरण देने के आरोप में रतनमई गांव निवासी मनीष सिंह को कंधई पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर उसका चालान कर कोर्ट में पेश किया



लूट का आरोपी को गिरफ्तार करती पुलिस।

है।प्रभारी एसओ कंधई हरिभजन आरोपित रणजीत सिंह को शरण देने और रणजीत सिंह की तलाश की गौतम ने बताया कि शीतलागंज में के आरोप में रतनमई गांव निवासी जा रही है।वशीरपुर गांव निवासी शराब की दुकान पर हुई लूट और मनीष सिंह को उसके घर से उमेद अली को खिरीबीर पुल के खिरीबीर पुल के पास पुलिस टीम गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है पास से मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल पर फायरिंग करने के तीसरे प्रकाश में आए दूसरे आरोपित शुभम भेजा जा चुका है।

राजन ने गीत सुनाया..आई-आई अनिल प्रताप त्रिपाठी ने मराल जी को किया गया।

बाबा अमरनाथ धाम शिव मंदिर के प्रति शिवभक्तों की बढ़ी आरथा

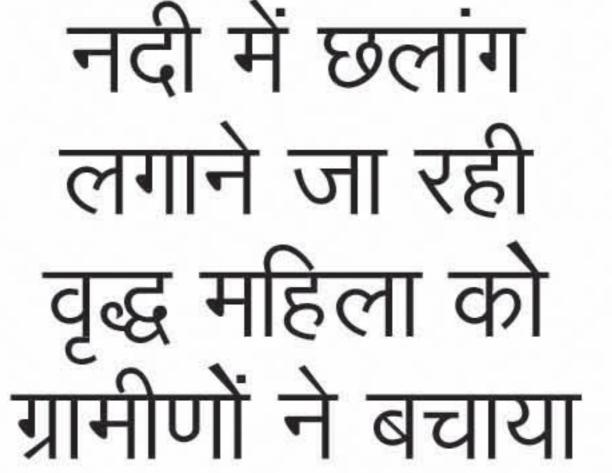
प्रतापगढ़। मंगापुर के बाबा अमरनाथ धाम शिव मंदिर के प्रति शिवभक्तों की आस्था बढ़ती नजर आ रही है। कथा व्यास पंडित त्रिवेणी प्रसाद उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 18 सितंबर से शुरू होने वाले अधिक मास (मलमास) में भगवान शिव की विशेष पूजा अचर्ना रुद्राभिषेक एवं पूरे महीने जलाभिषेक द्वारा भगवान भोलेनाथ की आराधना की जाएगी। इस निर्णय से मंदिर व्यवस्था संचालन समिति बहुत ही उत्साहित है। कार्यक्रम को विधिवत संपन्न कराने के लिए शिवभक्त आशुतोष मिश्र ने पूजा आरती हेतु ?100 के हर वर्ग के लोगों को इस मंदिर की सरोज आदि शिवभक्त रहे।



अवनीश शर्मा अंकुर को संयोजक प्रतिमाह आर्थिक सहयोग देने वाले व्यवस्था में तन मन धन से भरपूर सहयोग ग्रामीणों ने पकडा और जान देने से मोटर साइकिल बरामद किया मनोनीत किया गया। प्रचार प्रसार के लिए शिवभक्तों की उपलब्धि सूची प्रस्तुत की, करना चाहिए। बैठक में सेवानिवृत्त रोकते हुए डायल 112 पुलिस को गया। चोरी की मोटर साइकिल के प्रत्येक गांव में पर्चा श्अपील बंटवाकर जिस पर सभी ने संतोष प्रकट किया। वरिष्ठ शिक्षक बम बहादुर सिंह, पुजारी पंडित सूचना दी !पुलिस को आने तक सम्बन्ध में अभियुक्त द्वारा बताया जागरूकता का वातावरण सृजित किया अधिवक्ता परशुराम उपाध्याय सुमन ने बद्री प्रसाद मिश्र, व्यापार मंडल अध्यक्ष महिला को ग्रामीणों के साथ घर गया कि यह सुपर स्प्लेण्डर मोटर जाएगा। प्रचार व्यवस्था समिति के कहा कि समाज के लोगों में इस मंदिर के राजेंद्र कुमार मिश्र, नरेंद्र प्रताप सिंह,मनीष पहुंचा दिया गया! ग्रामीणों ने यह भी साइकिल मैने अपने साथी अपील अविलंब उपलब्ध कराने का आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे पंडित उपाध्याय, राजकुमार साहू,अवनीश शर्मा भरोसा दिलाया। समिति के अध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि समाज अंकुर, योगेंद्र यादव, अर्जुन कोरी, प्रदीप

दलित उत्पीड़न तथा

छेड़छाड़ का केस



प्रतापगढ़। जनपद के फतनपुर हालत ठीक नही है,मौकेपर डायल मामले की जांच कर रही है।

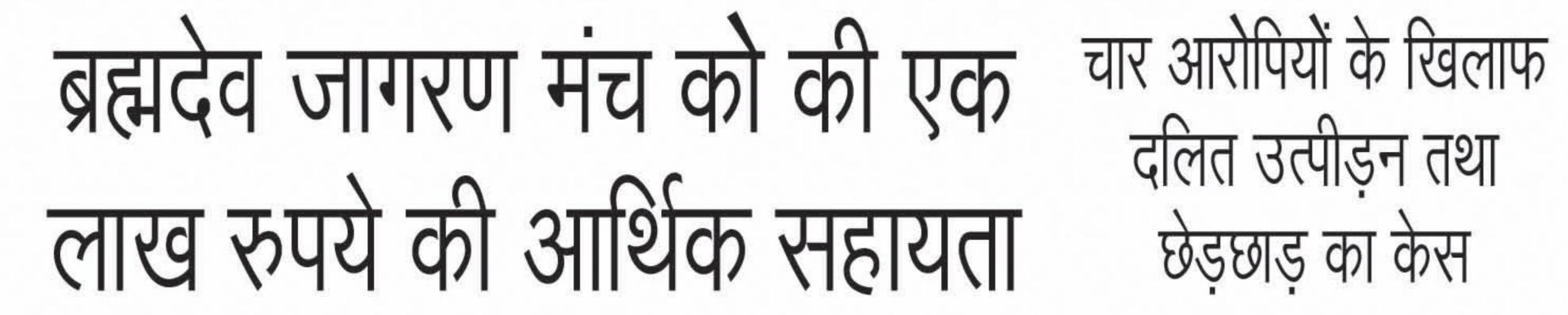
मोबाइल छीन कर भाग रहे एक बदमाश गिरफ्तार में जनपद के थाना कुण्डा से उ०नि० श्री रमेश सिंह यादव मय थानांतर्गत बीरापुर सई नदी पर बने हमराह द्वारा थानाक्षेत्र कुण्डा के पुल से अज्ञात कारणों की वजह से रैयापुर के पास से मोबाइल की आत्महत्या करने जा रही बुज़ुर्ग छिनैती कर भाग रहे। दो महिला को उपस्थित ग्रामीणों ने रोका अभियुक्तों में से एक अभियुक्त ! प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आज विमलेश सोनी पुत्र रामबाबू सोनी सुबह नन्हकी देवी पत्नी हरीराम निवासी महुआतर थाना कुण्डा निवासी आशापुर गजरिया की बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया। जबकि महिला ने अज्ञात कारणों से अपनी दूसरा अभियुक्त मौके से फरार हो जीवन लीला समाप्त करने के लिए गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे बीरापुर सई नदी पुल से कूदने जा से एक अदद मोबाइल फोन व रही थी कि आस पास टहल रहे चैरी की एक अदद सुपर स्प्लेण्डर



संयोजक संदीप विश्वकर्मा ने पर्चा , प्रति आस्था, लग्व व आकर्षण बढ़ाने की त्रिपाठी, राजू यादव, रमेश कुमार बताया है कि महिला की दिमागी इन्द्रजीत यादव जो मौके से फरार हम लोग इस्तेमाल कर रहे है यदि थाना स्थानीय पर मु0 अ0 सं0 हो गया है। के साथ मिलकर कोई ग्राहक मिलता तो बेंच देते 361ध्20 धारा 392, 419, 420, 112 और स्थानीय पुलिस पहुंच कर सब्जी मण्डी कस्बा कुण्डा से और पैसा हम लोग आपस में बांट 41, 411 भादवि का अभियोग पिछले महीने चोरी की थी, जिसे लेते। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में पंजीकृत किया गया है।

सामाजिक ढांचे को मजबूत नीव दिये जाने में छेड़खानी का विरोध करने पर

ताजियादारों के घर सुबह से तैनात कर दी गई फोर्स प्रतापगढ़। मोहर्रम पर ताजिया या जुलूस न निकल पाए इसके लिए रविवार सुबह से सभी ताजियादारों के घर फोर्स तैनात कर दी गई। ताजियादारों से जुड़े कई लोगों के मोबाइल फोन नंबर को सर्विलांस पर लगाकर पुलिस उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में जुट गई।कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन व कोर्ट से सार्वजनिक स्थल पर ताजिया व जुलूस निकालने पर प्रतिबंध है। लेकिन पुलिस को भनक लगी कि कुछ लोग हर हाल में ताजिया निकालने के लिए ताजियादारों को उकसा रहे हैं। इसके बाद नगर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और ताजियादारों सहित 101 लोगों को नोटिस दे दी। न मानने पर रासुका तक लगाने की चेतावनी दी। इसके बाद भी सुगबुगाहट होती रही तो रविवार सुबह आठ बजे सभी ताजियादारों के घर पुलिस व होमगार्ड के जवान तैनात कर दिए गए।





आर्थिक सहायता देते।

संख्या में अधिकारी , कर्मचारी सौपने उनके घर पहुंचे।

प्रतापगढ। कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर प्रतापगढ। क्षेत्र के पहाड़पुर स्थिति बीडी दुबे मारपीट तथा दलित युवती के साथ इंटर कालेज में रविवार को सोशल छेड़छाड़ व दलित उत्पीड़न का केस दर्ज डिस्टैसिंग के बीच समाजसेवी पं0 भगवान किया है। सीओ जगमोहन के निर्देश पर दीन दुबे की एक सौ बाइसवी जयंती दर्ज किये गये मुकदमें में पीड़िता शीतल संस्थापक दिवस के रूप में मनाई गई। का पुरवा, कमौरा के वंशी लाल की पत्नी प्रारम्भ में विद्यालय के शिक्षकों, तथा प्रबंध कुसुम देवी ने दी गयी तहरीर में कहा है समिति के पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने कि बीती बाइस जुलाई को शाम सात विद्यालय परिसर स्थिति पं0 भगवानदीन दुबे बजे गांव के शिवांक सिंह , मनीष सिंह, की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्वासुमन प्रशांत सिंह तथा व्रिजेन्द्र ने उसके घर आर्पित किये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते घुसकर लाठी डंडे से मारापीटा। हुए विशिष्ट अतिथि डां० सौरभ मिश्र ने कहा आरोपियों ने पीड़िता की पुत्री को कि पं0 भगवानदीन दुबे का जीवन जातिसूचक गाली देते हुए मारने लगे । सामाजिक ढांचे को मजबूत बनाने के साथ **प्रतापगढ़।** कानपुर के श्याम नगर स्थित , अधिवक्ता , पत्रकार व प्रबुद्ध लोगों ने विरोध करने पर उसकी पुत्री के साथ शिक्षा के मूल उद्देश्यों की पूर्ति के लिए



पहाड़पुर बीडी दुबे इंटर कालेज में मनाई गई एक सौ बाइसवी जयंती।

केडीए कॉलोनी निवासी रेखा शुक्ला बढ़ चढ़कर सहयोग करते हुए आरोपियों ने छेड़छाड़ भी की। पीड़िता ने आधुनिक समय में भी प्ररेणा दायक है। पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम को प्रधानाचार्य प्रधानाचार्य हरिवंश त्रिपाठी, गोपाल शुक्ल, की खराब आर्थिक स्थिति व जीवन ?100000 की आर्थिक सहायता इस कोतवाली पहुंचकर घटना की तहरीर दी बतौर मुख्य वक्ता रूरल बार ऐसोशिएशन के सुनील कुमार शुक्ल, डां0 शिव शंकर माता प्रसाद शुक्ल, शशांक शुक्ल, प्रमोद लाठी डंडे से पीटा और तमंचा लहराते यापन को दृष्टिगत रखते हुए ब्रह्मदेव परिवार के लिए एकत्रित की । रविवार किन्तु पुलिस जांच के नाम पर मुकदमा तिवारी, जमुना प्रसाद मिश्र, मुन्ना तिवारी, तिवारी, सर्वजीत गुप्ता, संजय कुमार मिश्र, हुए जान से मारने की धमकी देते हुए जागरण मंच ने सहायता करने का बीड़ा को ब्रह्मदेव जागरण मंच के कार्यकारी नही दर्ज कर रही थी। इसके बाद कोरोना महामारी के समय छात्र-छात्राओं को राजकुमार दुबे, कृष्णानन्द त्रिपाठी, ज्ञान नरेन्द्र तिवारी, राजेन्द्र मिश्र आदि रहे। इसके भाग निकले। युवकों के हमले से बीच उठाया था । इसके लिए पिछले कुछ राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित शिवांग पाण्डेय पीड़िता ने सीओ से मिलकर तहरीर ऑन लाइन ज्ञानार्जन के लिए शिक्षकों से प्रकाश मिश्र, आलोक शुक्ल, अमितेश पूर्व सीओ जगमोहन यादव ने विद्यालय बचाव करने गए रोहित सरोज (35), दिनों से संगठन के माध्यम से इस ने 90 हजार की धनराशि चेक के सौपी। सीओ के निर्देश पर शनिवार की मेधा के क्षेत्र में मजबूत योगदान का आह्वान मिश्र, नवीन दुबे ने भी सम्बोधित करते हुए पहुंचकर अरूणाचंल प्रदेश के राज्यपाल परिवार की सहायता करने के लिए बड़ी माध्यम व 10000 की धनराशि नगद रात पुलिस आरोपी शिवांक समेत चार किया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुशील कुमार पं0 भगवानदीन दुबे के शिक्षा तथा समाज के बाल दत्त मिश्र की ओर से भी भगवानदीन (24), सुधीर कुमार (25) को चोटे के खिलाफ केस दर्ज किया। पाण्डेय व संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता अखिलेश क्षेत्र में प्रकाश डाला। इस मौके पर पूर्व दुबे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

पं० भगवानदीन दूबे का योगदान प्रेरणास्पद किशोरी समेत पांच से मारपीट प्रतापगढ़। गोशाला में मवेशियों को गए। किशोरी के पिता की तहरीर पर चारा देने गई किशोरी ने छेड़खानी कर पुलिस ने शुभम, धीरज, कमलेश के रहे युवकों का विरोध किया। शोर खिलाफ पास्को एक्ट समेत विभिन्न मचाने पर किशोरी और बचाने दौड़े धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। घटना के मोहल्ले के चार लोगों को लाठी डंडे से बाद से आरोपित फरार हैं। पीटा। पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की

है कुंडा के एक गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी। उसकी बेटी (16) शनिवार सुबह गोशाला में मवेशियों को चारा देने गई थी। तभी गांव के ही शुभम, धीरज, कमलेश पहुंचे और बेटी का मुंह दबाकर छेड़खानी अश्लील हरकत करने लगे। बेटी ने विरोध किया तो उसे पीटा, शोर सुनकर आस पास के लोग दौड़े तो उनको भी रामराज यादव (36), रवि कुमार आई। परिजन घायलों को सीएचसी ले

दिनेश कुमार मिश्र बने राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा के जिलाध्यक्ष प्रतापगढ़। सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में दिनेश कुमार मिश्र को जनपद प्रतापगढ़ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बतादें की दिनेश मिश्र इसके पूर्व जनपद के उपाध्यक्ष रहे। उनके कार्यकुशलता संघर्ष व सामाजिक योगदान के चलते उन्हें

प्रोन्नति दी गई। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष

ने कहा की ब्राह्मण समाज पर हो रहे

अत्याचार पर वह प्रभावशाली कदम

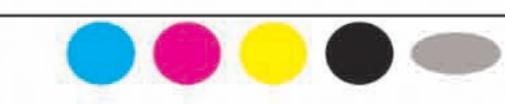
उठाएंगे। उन्होंने कहाकि ब्राह्मणों का

अपमान किसी भी कीमत पर सहन नही

किया जाएगा । केवल नारों से नहीं













प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

रिवलाड़ियों को सता रहा है अकेलापन

रैना ने टीम प्रबंधन को कहा था कि उनके लिए जैव सुरक्षा वातावरण में रहना मुश्किल हो रहा

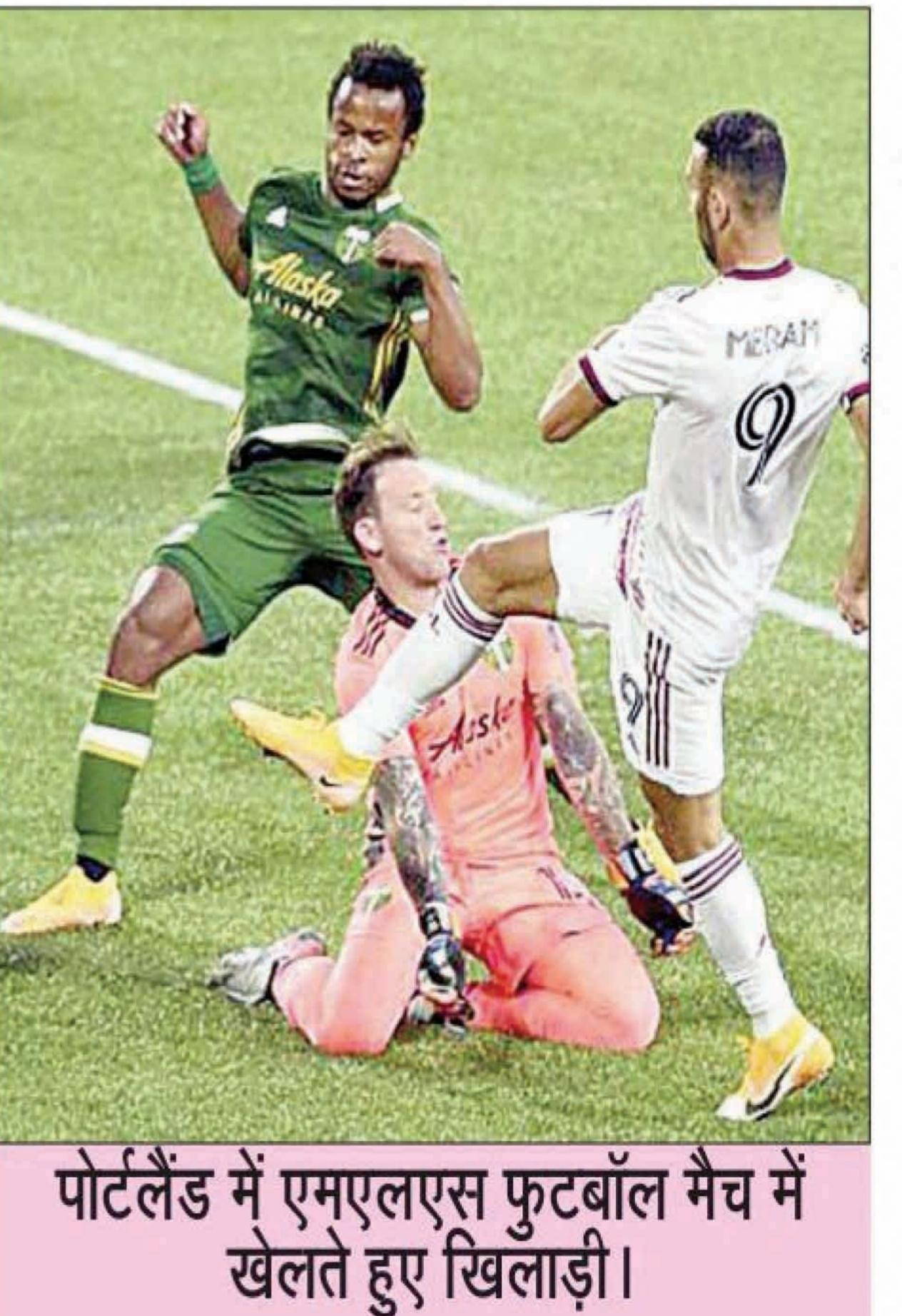
दुबई। आईपीएल के 13वें सत्र के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच चुकी आठों टीमों के खिलाड़ियों को अकेलापन सता रहा है। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना के अचानक दुबई से स्वदेश लौटने के पीछे यह बताया जा रहा है कि जैव सुरक्षा वातावरण में अकेले रहने की चिता, टीम के दो खिलाड़ियों सहित 13 सदस्यों के कोरोना से संक्रमित हो जाने और स्वदेश में एक निजी त्रासदी के चलते रैना वापस भारत लौट गए। रैना टीम के दुबई पहुंचने के नौ दिन बाद ही स्वदेश लौट गए हैं। टूर्नामेंट को 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक होना है लेकिन टुर्नामेंट का कार्यक्रम 🔊 अभी तक घोषित नहीं किया गया है। रैना का युवा परिवार है और उनके दो बच्चे हैं। समझा जाता है कि उन्होंने



में रहना मुश्किल हो रहा है। रैना ने लिए होटल के कमरे में अगस्त तक चेन्नई ने टीक का छह रहना दिवसीय कैंप जैव सुरक्षा वातावरण में मश्किल हो रहा है। रैना ही नहीं बल्कि गुजारा था। आईपीएल के कोविड-19 चेन्नई टीम के अन्य सदस्यों को भी अपने होटल को लेकर परेशानी हो रही है जो खिलाडयों को होटल में छह-दिनों शहर के एक वीरान की अनिवार्य क्वरंटीन अवधि के दौरान इलाके में है। रैना के फैसले ने टीम प्रबंधन पहले, तीसरे और पांचवें दिन भी कोरोना वायरस की जांच करानी होती को चौंकाया है क्योंकि रैना ने हाल है। इन तीनों जांच की रिपोर्ट निगेटिव ही में कहा था कि आने के बाद ही खिलाड़यों को वह टीम को चौथा विश्वनाथन, कप्तान महेंद्र सिंह धोनी खिताब जीतने में मदद करेंगे। लेकिन चेन्नई टीम ने अपने अभ्यास सत्र को

संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत हालांकि दुबई जाने से पहले 16 से 20 जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है उन्हें कम से कम दो सप्ताह तक क्वरंटीन में रहना होगा और इसके बाद उनके दो टेस्ट नेगेटिव होने चाहिए तभी वे टीम प्रोटोकॉल के अनुसार सभी टीम के से जुड़ पाएंगे। इन सदस्यों को शेष ग्रुप खिलाड़यों को युएई पहुंचने के तुरंत से अलग कर आइसोलेशन में रखा रही हैं जबकि कुछ टीमों के होटल बाद हवाई अड्डे पर ही कोरोना वायरस जाएगा और यह भी देखा जाएगा कि निजी बीच के पास हैं लेकिन की जांच करानी होती है। इसके बाद इनके संपर्क में कौन-कौन लोग आये थे। अधिकतर खिलाडियों ने मार्च से कोई क्रिकेट नहीं खेला है और उन्हें अपनी क्षमता पर संदेह हो रहा है। लिए मनोवैज्ञानिक रखे हैं। बेंगलुरु किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहल ने हाल में कहा था कि मुंबई इंडियंस ने अपने खिलाड़ियों को उन्हें खुद पर संदेह होता है कि क्या अपने पार्टनर को साथ यात्रा करने की प्रशिक्षण की अनुमति दी जाती है। वह गेंद की लाइन-लैंथ को पढ़ पाएंगे, अनुमति दी थी। कहीं वह धीमे हो गए तो और क्या वह

अपने अभ्यास सत्र शुक्रवार और शनिवार को शुरू कर दिए हैं जबकि चेन्नई टीम एक सितम्बर के बाद से ही अभ्यास शुरू कर पाएगी। कुछ टीमें अपने खिलाड़ियों को प्रेरित और सकारात्मक रखने की कोशिश कर खिलाडियों को इन सुविधाओं का इस्तेमाल करने की अभी अनुमति नहीं है। कुछ टीमों ने अपने खिलाड़ियों के टीम अपने साथ मनोविज्ञानी लायी है।



काशी

सीई ओ

ओसाका फाइनल से हटी,

अजारेका ने जीता रिवताब

टीम

प्रबंधन-





कर रहा हं। कप्तान ने शारीरिक फिटनेस को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ''यदि आपका शरीर हल्का महसूस कर रहा है तो आप अभ्यास में खुद को बेहतर महसूस करेंगे। मुझे लग रहा है कि मुझे गेंद खेलने के लिए ज्यादा समय मिल रहा है। यह काफी सकारात्मक है। यदि आपका शरीर बोझिल रहता है तो आपका मूवमेंट प्रभावित होता है और इसका सीधा असर दिमाग पर

जाता है।

दुबई। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि टीम का पहला नेट सत्र उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। बेंगलुरु टीम दुबई में आईसीसी अकादमी में अभ्यास कर रही है। बेंगलुरु और टीम इंडिया के कप्तान विराट लगभग छह महीनों में पहली बार नेट में उतरे और अभ्यास सत्र से काफी संतुष्ट नजर आये। विराट ने क्लब की वेबसाइट पर कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो सत्र उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। मैं कुछ डरा हुआ था क्योंकि मैंने पांच महीनों से बल्ला नहीं उठाया था लेकिन नेट में मेरा बल्लेबाजी अभ्यास बेहतर रहा। मैंने लॉकडाउन में कुछ ट्रेनिग की थी

और अब मैं खुद को फिट महसूस



काबू पाते हुए कोरोना से प्रभावित में अपनी गर्दन की चोट से परेशान रहे वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने फिर राओनिक के पास अब कोई जवाब नहीं 2020 में अपने अपराजेय क्रम को 23-0 पहुंचा दिया। उनका यह 80वां जोकोविच को पहले सेट में संघर्ष करना शानदार वापसी करते हुए शक्तिशाली था। जोकोविच ने इस जीत से राओनिक करियर खिताब है और इसके साथ ही पड़ा और इस सेट में उन्होंने चार डबल फोरहैंड शॉट्स खेलते हुए राओनिक के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 11-उन्होंने स्पेन के राफेल नडाल के 35 फाल्ट किये। राओनिक ने जोकोविच की सर्विस पर काबू पा लिया। उन्होंने 0 पहुंचा दिया है। जोकोविच का यूएस

मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के की गलतियों का फायदा उठाते हुए निर्णायकसेट में लगातार चार गेम जीते। ओपन के पहले राउंड में बोस्निया के

रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पूरे टूर्नामेंट पहला सेट 30 मिनट में जीत लिया। 33 जोकोविच के दमदार प्रदर्शन का दामिर जम्हर से मुकाबला होगा।

आईपीएल-13 कप्तान के तौर पर मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगाः अय्यर

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स टीम के कप्तान फाइनल से हट जाने से बेलारूस की श्रेयस अय्यर का मानना है कि आईपीएल का यह सत्र कप्तान के तौर पर उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। अय्यर ने 2018 के सत्र के मध्य में दिल्ली टीम की कप्तानी संभाली थी जब गौतम गंभीर ने टीम की लगातार पराजय के बाद कप्तानी से इस्ती फा दे दिया था। दिल्ली के कप्तान ने आईपीएल वेबसाइट से कहा, ''यह सत्र पिछले सत्र के मुकाबले काफी अलग होगा लेकिन चुनौतियां हमेशा मुझे रोमांचित कर चुकी हैं। एक कप्तान के तौर पर यह की एलिस मर्टेन्स को हराया था लेकिन मेरा सबसे महत्वपूर्ण कार्यभार होगा क्योंकि इस बार माहौल बिलकुल चोट के कारण हटने के लिए मजबर अलग है। हमारे लिए यह जरूरी होगा होना पडा। कि एक बार में हम एक ही मैच को देंखे। हमें कोरोना के समय में क्या करें और क्या न करें के बारे में सब कुछ बताया गया है। यह सबके लिए महत्वपूर्ण है कि जैव सुरक्षा वातारवरण के प्रोटोकॉल का सभी लोग पालन करें।''अय्यर ने पिछले आईपीएल सत्र में 16 पारियों में 463 रन बनाये थे और दिल्ली टीम में शिखर धवन और ऋषभ पंत के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे थे। दिल्ली की टीम 14 मैचों में नौ मैच जीतकर तालिका में तीसरे स्थान पर रही थी और प्लेऑफ में पहुंची थी।

न्यूयार्क। जापान की नाओमी ओसाका के बायीं हैमस्ट्रिंग चोट के कारण विक्टोरिया अजारेंका ने बिना कोई पसीना बहाये वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टुर्नामेंट का खिताब शनिवार को जीत लिया।

अजारेंका का यह 21वां डब्ल्टीए टर खिताब है। ओसाका ने नस्लभेद के विरोध में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से हटने का फैसला किया था लेकिन फिर उन्होंने अपना फैसला बदला और सेमीफाइनल में उतरकर जीत हासिल की। उन्होंने सेमीफाइनल में बेल्जियम ओसाका को फाइनल में बायीं हैमस्टिंग

कि उन्हें कल सेमीफाइनल में दूसरे सेट यह चोट ठीक नहीं हो पायी। अजारेंका से हटना पडा।



जापानी खिलाड़ी ने फाइनल से के टाईब्रेक में बायीं हैमस्ट्रिंग में ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हटने के लिए मा फी मांगते हुए कहा खिचाव आ गया था और रात भर में ओसाका को चोट के कारण फाइनल

रैना की कमी खलेगी: वाटसन राहूल चाहर ने अपने भाई दीपक के जल्द

स्वरूथ होने की प्रार्थना को

दुबई। मुंबई इंडियंस के लेग स्पिनर राहुल चाहर ने अपने भाई और चेन्नई सपरकिंग्स टीम के सदस्य दीपक चाहर के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है वाटसन ने कहा, ''जब मैं सोकर

रहो मेरे भाई...मेरी प्रार्थनाएं तुम्हारे साथ

दुबई। चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार आलराउंडर ऑस्ट्रेलिया के शेन वाटसन ने कहा है कि इस बार आईपीएल में सुरेश रैना की कमी काफी खलेगी। 33 वर्षीय रैना निजी कारणों से अचानक दुबई से भारत लौट गए हैं। वाटसन ने इंस्टाग्राम पर कहा कि चेन्नई टीम के स्टार रैना की कमी केवल उनके साथी खिलाडियों को नहीं बल्कि आईपीएल को भी खलेगी।

CROWN

जो कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। उठा तो मुझे यह दुखद खबर मिली कि आये हैं और वह इस सत्र में आईपीएल थरियाल गांव में जिस सरकारी ठेकेदार चेन्नई टीम के दो खिलाड़ी सहित 13 सुरेश रैना निजी कारणों से स्वदेश लौट में नहीं खेलेंगे। चेन्नई टीम के सीईओ की हत्या कर घर में लूटपाट की गई थी, सदस्य कोरोना से संक्रमित हुआ हैं रहे हैं। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ काशी विश्वनाथन ने अपनी टीम के वह क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा जिसकी पुष्टि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल हैं सुरेश, उम्मीद करता हूं कि सब कुछ ट्विटर पर कहा था, ''सुरेश रैना निजी अशोक कुमार (58) थे। रैना को इसी बोर्ड (बीसीसीआई) ने की है। इन दो ठीक रहेगा। चेन्नई टीम में हम सबको कारणों से भारत लौट गए हैं और वह पारिवारिक जरूरत के कारण स्वदेश खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज दीपक आपकी कमी खलेगी। उन्होंने कहा, आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं लौटना पड़ा। 33 वर्षीय रैना का भारत चाहर शामिल हैं। राहुल ने ट्विटर पर ''आप चेन्नई टीम के स्टार हो, आप रहेंगे। चेन्नई टीम इस समय सुरेश और लौटना चेन्नई टीम के लिए एक और दीपक को जल्द स्वस्थ होने और मैदान टीम का दिल हो और आपकी कमी उनके पूरे परिवार का पूरा समर्थन करती गहरा झटका है जिसके दो भारतीय पर लौटने के लिए अपनी शुभकामनाएं आईपीएल टूर्नामेंट को भी खलेगी। है। समझा जाता है कि रैना पंजाब में खिलाड़ियों सहित 13 सदस्य कोरोना दीं। राहुल अपनी टीम के साथ अबु लेकिन अपना ध्यान रखना सबसे ज्यादा अपने फूफा की मौत के कारण संक्रमित पाए गए हैं। चेन्नई टीम ने धाबी में हैं। राहुल ने कहा, ''मजबूत महत्वपूर्ण है। उम्मीद करता हूं कि आप आईपीएल छोड़कर भारत लौटे हैं। अपना अभ्यास सत्र एक सितम्बर तक ठीक होंगे। उल्लेखनीय है कि रैना उल्लेखनीय है कि 19-20 अगस्त की के लिए स्थगित कर दिया है। चेन्नई का

निजी कारणों से दुबई से स्वदेश लौट रात को पंजाब के पठानकोट के अभ्यास सत्र शुक्रवार से शुरू होना था।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दूसरे ⊤20कमें दी पटखनी, सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली, जेएनएन। इंग्लैंड व पाकिस्तान के बीच मैनचेस्टर में खेले गए खिलाड़ी रविवार की सुबह दूसरे टी20 मुकाबले में मेजबान टीम ने मेहमान टीम को 5 विकेट से हरा दिया और तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 पहली पारी में 20 औवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। इंग्लैंड की टीम को जीत के लिए 196 रन का लक्ष्य मिला था हासिल कर लिया।





मैसी नहीं आये। उन्हें स्थानीय समय के अनुसार सुबह सवा दस बजे मैदान पर होना की बढ़त बना ली। इस मैच में इंग्लैंड की चाहिए था। खिलाड़ियों को टेस्ट के लिए अलग-अलग समय दिया गया था। टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी मीडिया रिपोर्टों में शनिवार को ही कह दिया गया था कि मैसी न तो प्री सत्र मेडिकल करने का फैसला किया था। इसके बाद में आएंगे और न ही सोमवार को ट्रेनिंग में शामिल होंगे। 33 वर्षीय मैसी ने मंगलवार पाकिस्तान की टीम ने पहले खेलते हुए को बार्सीलोना को बताया था कि वह अपने अनुबंध में 70 करोड़ यूरो (826 करोड़ डॉलर) का रिलीज नियम होने के बावजूद क्लब छोड़ना चाहते हैं। अर्जेंटीना टीवी चैनल टीवाईसी स्पोर्ट्स के मुताबिक मैसी ने अपने अनुबंध समाप्ति को लेकर क्लब जिसे इस टीम ने 5 विकेट शेष रहते को पंजीकृत फैक्स भेजा था जिसमें एक नियम को रेखांकित किया गया था जो उन्हें इस सत्र के अंत में अपने अनुबंध को रद्द करने की एकतरफा अनुमति देता है।



विराट से मुकाबले का इंतजार कर रहे एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह अगले साल के भारत दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एंडरसन का कहना है कि उन्हें इस दौरे में विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली से मुकाबले का अवसर मिलेगा।

एंडरसन के अनुसार उन्हें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना पसंद है। एंडरसन ने हाल ही में अपने 600 विकेट पूरे किये हैं और अब उनकी नजरें इस आंकड़े को 700 तक ले जाना है। एंडरसन और कोहली के बीच पहले भी कई बार मुकाबला हुआ है। विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने कहा, विराट जैसे स्तर के बल्लेबाज को गेंदबाजी करना हमेशा कठिन चुनौती की तरह होता है। यह काफी कड़ा मुकाबला होगा पर मुझे इसमें भी आनंद ही आता है क्योंकि आप हमेशा ही सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को आउट करना चाहते हो। इससे पहले साल 2014 में भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में एंडरसन भारी पड़े थे और उन्होंने चार बार विराट को आउट किया था। उसे दौरे में विराट का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और वह अपनी 10 पारियों में केवल 134 रन ही बना पाये थे लेकिन इसके बाद साल 2018 में विराट ने अपने इंग्लैंड दौरे में जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए सबसे ज्यादा 593 रन बनाये थे। एंडरसन ने कहा, ह्यह्य2014 में मुझे सफलता मिली थी।







प्रयागराज सोमवार, 31 अगस्त, 2020

जनसंपादकीय

नयी अभिव्यंजना का रचाव

अजित कुमार राय समय-सचेत और परिवेश-बोध के कवि हैं। अपने नए काव्य-संग्रह रथ के धूल भरे पाँव के आत्मकथ्य में उन्होंने कालांकित में कालातीत सत्य का अन्वेषण अपनी कविता का ध्रुवक माना है। यह आकस्मिक नहीं है कि युगीन कुरुपताएँ और विसंगतियाँ उन्हें बार-बार कुरेदती और कोंचती हैं। समय बहुत नंगा हो गया है, आज लहूलुहान है मानवता, मायावी दशानन अब सहस्रानन हो गया है, खलिहानों का गंध-पिरामिड टूट गया, नारी-अस्मिता को राक्षसी पंजों से/ छुड़ाने में कट गए हैं गिद्धों के पंख, हो चुका है पदार्पण/ बहुराष्ट्रीय कंपनियों का, जहाँ जनतंत्र है सरकारी कर्मकांड आदि सच्चाइयाँ बहुत कटू और भयावह हैं। अतः कवि का इस निष्कर्ष पर पहुँचना अस्वाभाविक नहीं है-संवेदना को पंख पसारने के लिए स्पेस केवल शब्दों में बचा है।

संग्रह की सूर्यमुखी स्त्रियाँ, कबिरा खड़ा बाजार में, दीपदान, यादों का दंगल, नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ, शोकः श्लोकत्वमागतः, पुवाल के पिरामिड, आम भी बौरा गए, अभियोग और नरमेध आदि कई कविताओं में पाठकीय संवेदना को स्पर्श और समृद्ध करने के क्षमता है। नरमेध में वास्तव में दमित और अभिशप्त दलितों की नियति है। ज्ञानेन्द्रपति ने इसे उचित ही जनता और शिक्षकों के दुखते जीवन के बीच एक पुल बनाने वाली कविता कहा है। यह कविता संभवतः पहली बार हतभागे शिक्षकों के दर्द को उद्धासित कर सकी है। कवि शिक्षक ही नहीं, सभी वंचितों के साथ खड़ा है। इसलिए वह किसान से कह सका है-हम बोते रहेंगे तुम्हारी व्यथा /कागज की जमीन पर/ क्योंकि हम जानते हैं / मिट्टी की सर्जनात्मक शक्ति को। अन्यत्र भी किसान का दुःख कवि की दृष्टि-परिधि में है- कि किसान खेत में मिड़ी हो रहा है लेकिन कवि की सहानुभूति बेचारे खेतिहर मजदूरों को नहीं मिल पायी है। इसी तरह आरक्षण प्राप्त वर्ग के प्रति कवि कुछ विशेष कटु हो गया है। सेतुबंध एक अच्छी कविता है। अजित कुमार राय ने कई स्थानों पर रघुवीर सहाय, राजेश जोशी, अरुण कमल का सम्मानपूर्वक उल्लेख किया है, लेकिन उनकी ये कविताएँ इन वरिष्ठ कवियों की परंपरा से दूर पड़ती है। शायद वे दूसरी परंपरा के कवि हैं। उपर्युक्त अपवादों से कविताओं का समग्र विजन आहत हुआ है और कवि की यह प्रतिज्ञा भी कि कविता का विजन होना चाहिए। महाराणा सुनो, कालांकित, हमारे भीतर के रावण का वध करो राम, किसान का प्रतिवेदन, दूसरा विस्थापन आदि कविताएँ सकारात्मक विजन से संपन्न होने से ध्यान आकर्षित करती हैं। अजित कुमार राय बहुपठित कवि हैं। संस्कृत वाङ्मय, हिन्दी साहित्य, उर्दू शायरी, अंग्रेजी कविता- इन सबका उन्हें अच्छा ज्ञान है। इस ज्ञान का उन्होंने अपनी विपुल अनुभव-सम्पदा के साथ सर्जनात्मक उपयोग किया है। किन्तु इससे एक कठिनाई यह हुई है कि विशेष साहित्यिक संस्कार के पाठक ही उनकी कविताओं के रसास्वादन में सक्षम सिद्ध हो पाते हैं। सिर्फ पिकनिक मनाने आते हैं, कविता कालिदास की सर्जना से अपरिचित पाठक के लिए सहज संवेद्य नहीं है। इसी प्रकार नरमेध की समापन पंक्तियाँ अपनी बुनावट में अप्रतिम हैं, लेकिन आचार्य द्विवेदी के साहित्य से अनभिज्ञ द्राक्षारस की व्यंजना तक नहीं पहुँच पाएगा। भाषा की दृष्टि से भी श्री राय मुख्य धारा की कविताओं से अलग-थलग हैं। उन्होंने तत्सम शब्दों को वरीयता देते हुए अपना मुहावरा विकसित किया है। तिमिरधर्मी तैलाक्त, कृषि संस्कृति का तकनीकी विस्थापन, सभ्यता की ध्वंसात्मक संरचना, तिमिर-नृत्य का यह निनाद, अभिकेंद्र बल आदि पद सामान्य पाठकों के लिए बहुत ग्राह्य नहीं होंगे। लेकिन लोकजीवन और बोलचाल की शब्दावली का कविताओं में अभाव नहीं है। ऊढ़ा, चेकुए, टिकोरे, खँखोरना जैसे आंचलिक शब्दों के साथ मल्टीप्लेक्स, ग्लोबल वार्मिंग, स्किल-डेवलपमेंट जैसे अंग्रेजी शब्दों का साहचर्य भी जहाँ-तहाँ है। श्री राय का पूरा प्रयास है कि कविता में भाषा अर्थग्रहण के साथ बिम्ब-ग्रहण भी कराए। प्यार की संगीत लिपियाँ, इतिहास की आदिम परछाइयाँ, शीर्षासनी प्रतिरोध, जीवन-कथा की परोक्ष प्रस्तावना, पश्चिम के पाले हुए भस्मासुर, सत्ता का आईसबर्गीय चरित्र आदि पद इस सन्दर्भ में पठनीय हैं। मुक्त-छंद और छंदोबद्धता पर कवि का समान अधिकार Antonia है। समकालीन कविता के पाठकों के बीच ये कविताएँ निश्चय की बहस का मुद्दा बनेंगी। =. डॉ वेदप्रकाश अमिताभ "mater"

रामकथा के प्रथम अन्वेषक फादर कामिल बुल्के

भी काम नहीं चलता. वे कहा करते थे कि दुनिया भर में शायद ही कोई ऐसी विकसित साहित्य भाषा हो जो हिन्दी की सरलता की बराबरी कर सके. अपनी मातृभाषा फ्लेमिश से भी उन्हें अत्यधिक अनुराग था. डॉ. बुल्के इस बात के गवाह हैं कि जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा से प्यार

करता है वही दूसरे की मातृभाषा से भी प्यार कर सकता है. लंबे समय तक फादर बुल्के के संपर्क में रहने वाले डॉ. दिनेश्वर प्रसाद के शब्दों में, फादर बुल्के उन विदेशी सन्यासियों में थे, जो भारत आकर भारतीय से अधिक भारतीय हो गए थे. उन्होंने यहां की जनता के जीवन से अपने को एकाकार कर लिया था. उन्हे देखकर कोई भी व्यक्ति यह अनुभव कर सकता था कि सन्यास का अर्थ जीवन और जगत का निषेध न होकर स्वत्व का निषेध है और स्व का ऐसा विस्तार, जिसमें पूरी दुनिया के लिए ममत्व भरा हुआ है. (हिन्दी चेतना, डॉ. कामिल बुल्के विशेषांक, जुलाई 2009, पृष्ठ-19) उनके द्वारा रचित छोटी बड़ी पुस्तकों की संख्या 29 है. जिसमें प्रमुख हैं, रामकथा : उत्पत्ति और विकास, हिंदी-अंगरेजी लघुकोश, अंगरेजी-हिंदी कोश, रामकथा और तुलसीदास, मानस झकौमुदी, ईसा जीवन और दर्शन, एक ईसाई की आस्था, मुक्तिदाता, नया विधान, नीलपक्षी आदि. इसके अलावा भी उनके सैकड़ों शोध- निबंध विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं. वे बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, काशी नागरी प्रचिरिणी सभा और बेल्जियन रॉएल अकादमी के सम्मानित सदस्य थे. निस्सदेह डॉ. फादर कामिल बुल्के ने भारत और पश्चिमी जगत को भावात्मक रूप से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया. भारत सरकार ने साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मभूषण से सम्मनित किया. 17 अगस्त 1982 को गैंगरीन के कारण एम्स, दिल्ली में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया. सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची के प्रांगण में स्थित उनके आवास व पुस्तकालय को डॉ. फादर बुल्के शोध संस्थान के नाम से विकसित किया गया है. इस पुस्तकालय और शोध -केन्द्र के प्रभारी ने मुझे बताया था कि इसका संचालन उनकी पुस्तक अंगरेजी हिन्दी कोश से मिलने वाली रॉयल्टी से होता है. फादर कामिल बुल्के : भारतीय संस्कृति के अन्वेषक शीर्षक से शैल सक्सेना ने फादर बुल्के पर एक पुस्तक लिखी है और डॉ. दिनेश्वर प्रसाद ने साहित्य अदकादमी के लिए भारतीय साहित्य के निमार्ता सिरीज के अंतर्गत उनपर एक विनिबंध लिखा है.हरिवंशराय बच्चन ने फादर बुल्के के ऊपर एक कविता लिखी है. कविता निम्न है-फादर बुल्के तुम्हें प्रणाम/जन्मे और पले योरुप में, पर तुमको प्रिय भारत धाम/रही मातृभाषा योरुप की, बोली हिन्दी लगी ललाम/ईसाई संस्कार लिए भी, पूज्य हुए तुमको श्रीराम/तुलसी होते तुम्हें पगतरी के हित देते अपना चाम/सदा सहज श्रद्धा से लेगा मेरा देश तुम्हारा नाम/फादर बुल्के तुम्हें प्रणाम. (लेखक कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और हिन्दी विभागाध्यक्ष हैं.)

करके इसकी गुणवत्ता पर मुहर लगा दी. रामकथा और तुलसी की भक्ति के बारे में डॉ. बुल्के ने लिखा है, वास्तव में रामकथा आदर्श जीवन का वह दर्पण है, जिसे भारतीय प्रतिभा शताब्दियों तक परिष्कृत करती रही. इस प्रकार रामकथा भारतीय आदर्शवाद का उज्जवलतम प्रतीक बन गई है. वाल्मीकि के परवर्ती रामकाव्य के कवियों में तुलसी का स्थान अद्वितीय है. उन्होंने वाल्मीकि और लोकसंग्रह का पुरा- पुरा निर्वाह किया है और उस रामकथा के सोने में भगवद्धक्ति की सुगंध जगा दी है. तुलसीदास ने भगवद्धक्ति के विषय में जो संदेश दिया है, वह वाल्मीकि के नैतिक आदर्श की भांति विश्वजनीन है. इष्टदेव के प्रति अनन्य आत्म-समर्पण के साथ- साथ अपने दैन्य की तीव्र अनुभूति तुलसी की भगवद्धक्ति की प्रमुख विशेषता है. उन्होंने कहीं भी कर्मकाँड पर बल नहीं दिया, कहीं भी मन्दिर में होने वाली पूजा के लिए अनुरोध नहीं किया. भक्तिमार्ग की नींव नैतिकता है और अपनी उक्त प्रमुख विशेषता के कारण वह सब संप्रदायों के ऊपर उठकर मानव मात्र के लिए उपयुक्त है. (उपर्युक्त, पृष्ठ- 32) उन्होंने एक जगह लिखा है, अव्याहतानुयोगी मुनिजनः अर्थात साधु से कोई भी प्रश्न पूछा जा सकता है. संस्कृत की इस उक्ति के अनुसार लोग मुझसे ये नितान्त व्यक्तिगत प्रश्न पूछने में संकोच नहीं करते. विद्वान होते हुए भी आपका ईसा में इतना दृढ़ विश्वास कैसे ? विदेशी होते हुए भी हिन्दी तथा भारतीय संस्कृति से इतना प्रेम कैसे ? ईसाई होते हुए भी तुलसी पर इतनी श्रद्धा कैसे ? इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए जब मैं अपने जीवन पर विचार करता हं, तो मुझे लगता है कि ईसा, हिन्दी और तुलसीदास- ये वास्तव में मेरी साधना के तीन प्रमुख घटक हैं और कि मेरे लिए इन तीन तत्वों में कोई विरोध नहीं. बल्कि गहरा संबंध है.(उपर्युक्त, पृष्ठ-33) अपनी तुलसी भक्ति के बारे में उन्होंने लिखा है, 1938 में मैने रामचरितमानस और विनयपत्रिका को प्रथम बार आद्योपान्त पढ़ा. उस समय तुलसीदास के प्रति मेरे हृदय में जो श्रद्धा उत्पन्न हुई और बाद में बराबर बढ़ती गई, वह भावुकता मात्र नहीं है साहित्य तथा धार्मिकता के विषय में मेरी धारणाओं से इस श्रद्धा का गहरा संबंध है. (उपर्युक्त, पृष्ठ 34) फादर कामिल बुल्के का दूसरा ऐतिहासिक कार्य अंगरेजी हिन्दी कोश है. उन्होंने पहले अन्य भाषा- भाषियों की सुविधा के लिए ए टेक्निकल इंग्लिश हिन्दी ग्लॉसरी लिखा और उसकी लोकप्रियता को देखते हुए बाद में अंग्रेजी- हिन्दी कोश तैयार किया जो 1968 में प्रकाशित हुआ आज भी यह कोश साहित्यिक अभिरुचि के लोगों में सर्वाधिक प्रचलित कोश है. इसके विषय में विष्णु प्रभाकर ने लिखा है, मुझे यह कोश अबतक के सभी ऐसे कोशों में सबसे उपादेय और सही लगा. अंगरेजी- हिन्दी कोश के फ्लैप से) और इलाचंद जोशी ने लिखा है यह कोश न केवल हिन्दी और अंग्रेजी के नए पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा वरन्हम जैसे पुराने घिसे हुए लेखकों के लिए भी बड़े काम की चीज सिद्ध होगा.... स्वयं मुझे अपने निबंधों के लेखन में इससे बड़ी सहायता मिली है. (अंगरेजी- हिन्दी कोश के फ्लैप से) फादर बुल्के का विश्वास था कि ज्ञान- विज्ञान के किसी भी विषय की संपूर्ण अभिव्यक्ति हिन्दी में संभव है और अंग्रेजी पर आश्रित बने रहने की धारणा निरर्थक है. उनका दृढ विश्वास था कि हिन्दी निकट भविष्य में ही समस्त भारत की सर्वप्रमुख भाषा बन जाएगी. अपने कॉलेज मंच से भाषण देते हुए उन्होंने कहा था, संस्कृत राजमाता है, हिन्दी बहुरानी है और अंग्रेजी नौकरानी है. पर नौकरानी के बिना



KERIGENZI

बल्कि संस्कृत पर भी पूरा अधिकार कर लिया. उन्होंने अवधी, ब्रज, पाली, प्राकृत और अपभ्रंश की भी अच्छी जानकारी हासिल कर ली. जब कामिल बुल्के का जेसुइट धर्मसंघ में प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तो संघ के अधिकारियों से उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति मांगी और उन्हें उनकी रुचि के अनुरूप हिन्दी में एम.ए. करने की अनुमति मिल गयी. इसके लिए वे इलाहाबाद गए और एम.ए. में एडमीशन लिया. उस समय डॉ. धीरेन्द्र वर्मा विभागाध्यक्ष थे. जब वे एम.ए. द्वितीय वर्ष में थे तभी डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने उनकी प्रतिभा के पहचाना और हिन्दी में शोध करने के लिए प्रेरित किया. उन्ही के निर्देश पर डॉ. माताप्रसाद गुप्त के निर्देशन में राम कथा पर शोध के लिए उनका पंजीकरण हुआ. वे लिखते हैं, रामकथा पर शोध झकार्य प्रारंभ करने की प्रेरणा मुझे इन तीन तत्वों से मिली- हिन्दी प्रेम, तुलसी के प्रति श्रद्धा तथा डॉ. धीरेन्द्र वर्मा की उदारता.(उपर्युक्त, पृष्ठ-31) रामकथा : उत्पति और विकास में संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, बंगला, तमिल आदि सभी प्राचीन और आधुनिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध रामविषयक विपुल साहित्य का ही नहीं, वरन तिब्बती, वर्मी, इंडोनेशियाई, थाई आदि भाषाओं में उपलब्ध समस्त राम साहित्य का अत्यंत वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन किया गया है. इसके प्रकाशन के साथ ही फादर बुल्के की गणना भारत विद्या और हिन्दी के प्रतिष्ठित विद्वान के रूप में होने लगी. डॉ. फादर बुल्के का शोध- प्रबंध हिन्दी माध्यम में प्रस्तुत हिन्दी विषय का पहला शोध- प्रबंध भी है. जिस समय फादर बुल्के इलाहाबाद में शोध कर रहे थे, उस समय विश्वविद्यालय के सभी विषयों के शोध- प्रबंध केवल अंग्रेजी में ही प्रस्तुत करने का विधान था. फादर बुल्के के लिए अंग्रेजी में शोध- प्रबंध प्रस्तुत करना सरल भी था, किन्तु यह बात उनके हिन्दी स्वाभिमान के विपरीत थी. उन्होंने आग्रह किया कि उन्हे हिन्दी में शोध- प्रबंध प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की जाय. इलाहाबाद विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डॉ. अमरनाथ झा ने उनके आग्रह पर शोध- संबंधी नियमावली में संशोधन कराया और उन्हे अनुमति दी. इसके बाद तो अन्य उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में भी आधुनिक भारतीय भाषाओं में शोध- प्रबंध प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाने लगी. डॉ. बुल्के को 1950 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डी.फिल. की उपाधि मिली. इसी वर्ष उनकी नियुक्ति सेंट जेवियर्स कॉलेज राँची के हिन्दी-संस्कृत विभाग के अध्यक्ष पद पर हो गई और वे वहां इस पद पर अवकाश ग्रहण करने अर्थात 1977 तक रहे. अपना शोध -प्रबंध जमा करने के बाद भी डॉ. बुल्के इसी विषय पर अगले 18 वर्ष तक काम करते रहे. उनकी इस कृति के बारे में उनके गुरु डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने लिखा है, इसे रामकथा संबंधी समस्त सामग्री का विश्वकोश कहा जा सकता है. वास्तव में यह शोध- प्रबंध अपने ढंग की पहली रचना है. हिन्दी क्या, किसी भी यूरोपीय या भारतीय भाषा में इस प्रकार का दूसरा अध्ययन उपलब्ध नहीं है. हिन्दी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने स्वयं इसे प्रकाशित

पिता का नाम अडोल्फ और माता का नाम मारिया बल्के था. उन्होंने लूवेन विश्वविद्यालय (लिस्सेवेगे) से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री ली और उसके बाद 1930 में जेसइट बन गए. बाद में जेसइट सेमिनरी से लैटिन भाषा पढ़ने के बाद ब्रदर बने बुल्के ने अपना जीवन एक सन्यासी के रूप में बिताने निश्चय किया और कई महत्वपूर्ण संस्थाओं में अध्ययन करने के बाद 1935 में भारत आ गए. यहां उन्होंने विज्ञान के अध्यापक के रूप में सेंट जोसेफ कॉलेज दार्जीलिंग में और येस संघियों के मुख्य निवास स्थान मनरेसा हाउस, रांची में अपना प्रवास किया. उन्होंने गुमला (वर्तमान झारखंड में) लगभग 5 वर्ष तक गणित पढ़ाया. 1941 में वे पुरोहित बने. इसके पूर्व उन्होंने 1940 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से साहित्य विशारद की परीक्षा पास की थी. 1944 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से संस्कृत में एम.ए. किया और उसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1947 में हिन्दी में एम.ए. और 1950 में डॉक्टोरेट. 1951 में उन्होंने भारत की नागरिकता ग्रहण की. भारत आने और अपने अध्ययन झअध्यापन की यात्रा के बारे वे स्वयं कहते हैं, मेरी जन्मभूमि बेल्जियम के उत्तर में फ्लेमिश भाषा बोली जाती है और दक्षिण में फ्रेंच भाषा. फ्रेंच विश्व भाषा है. अतः समस्त बेल्जियम में उसका बोलबाला था. फ्रेंच, विश्वविद्यालयीय तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय की माध्यम थी और उत्तर बेल्जियम के बहुत से मध्यवर्गीय परिवारों में भी फ्रेंच बोली जाती थी.इस परिस्थिति के विरोध में फ्लेमिश भाषा का आन्दोलन प्रारंभ हुआ, जो मेरे विद्यार्थी जीवन के समय प्रबल होता जा रहा था. मैं भी उस आन्दोलन से सहानुभूति रखता था और इकतीस की उम्र में सन्यास लेने तक इसमें सक्रिय भाग लेता रहा. मातृभाषा प्रेम का संस्कार लेकर मैं सन् 1935 ई में राँची पहुंचा और यह देखकर दुख हुआ कि भारत में न केवल अंग्रेजों का राज है, बल्कि अंग्रेजी का ही बोलबाला है. मेरे देश की भांति उत्तर भारत का मध्यवर्ग भी अपनी मातृभाषा की अपेक्षा एक विदेशी भाषा को अधिक महत्व देता है. उसके प्रतिक्रिया स्वरूप मैंने हिन्दी पंडित बनने का निश्चय किया. यह निश्चय एक प्रकार से मेरे शोध कार्य की ओर प्रथम सोपान है. (हिन्दी चेतना, जुलाई -2009, पृष्ठ-31) बेहद कुशाग्र बुद्धि वाले कामिल बुल्के ने केवल पांच सालों में न केवल हिंदी

ईसाई धर्म के प्रचार के लिए बेल्जियम से भारत आकर यहां की

नागरिकता स्वीकार करने वाले, हिन्दी को अपनी माँ, राम को अपना

आदर्श और तुलसी के प्रति अटूट श्रद्धा रखने वाले डॉ. फादर कामिल

बुल्के (1.9.1909- 17.8.1982) रामकथा पर गंभीर शोध करने

वाले पहले अनुसंधित्सु हैं. रामकथा झउत्पत्ति और विकासह्न आज

भी रामकथा पर सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य माना जाता है. अपनी मातृभाषा

फ्लेमिश के अतिरिक्त अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, लैटिन, ग्रीक, संस्कृत

और हिन्दी के विद्वान डॉ. बुल्के के सामने यदि कोई हिन्दी भाषी अंग्रेजी

बोलता था तो वे नाराज हो जाते थे और हिन्दी में जवाब देते थे. वे

1950 से लेकर 1977 तक सेंट जेवियर्स कॉलेज राँची में हिन्दी एवं

अंगरेजी हिन्दी कोश उनकी दुसरी ऐसी महत्वपूर्ण कृति है जिसका

आज भी कोई विकल्प नहीं है. साहित्य के अध्येताओं के लिए यह

यह एक संयोग ही है कि लॉर्ड मैकाले के भारत आने के ठीक एक

सौ वर्ष बाद 1935 में बुल्के मिशनरी काम से भारत आए, कामिल

बुल्के का जन्म बेल्जियम के वेस्ट फ्लैंडर्स में नॉकके-हेइस्ट

म्युनिसिपैलिटी के एक गाँव रम्सकपेल में 1909 में हुआ था. इनके

सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला शब्दकोश है.

संस्कृत के विभागाध्यक्ष रहे.

रार

हमारा प्यार पानी से ज्यादा पतला और परदर्शी था और बौछार में गिरता था हमारे ऊपर हम निमग्न भींगते थे हमें विश्वास था कि इस बौछार से हमारा दिल और दिमाग दोनो कोने अँतरे तक साफ रहेगा हमारा प्यार गति नापने वाली चिकनी सड़क की तरह था जिस पर फिसलते हुए हम कतई नहीं सोचते थे कि हमने कितनी दूरी तय की हमारे प्यार में मन्दिर वाली पवित्रता नहीं थी जहाँ जाने के लिए बाहर जुते-चप्पल निकालने पडते थे और अपने ऊपर पानी का छिड़काव करना पड़ता था

कोविड काल में मीडिया, पुलिस और तबलीगी जमात

सरकार द्वारा किए जा रहे तमाम प्रयासों के बावजूद देश में कोरोना का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है. पूरे देश में इस रोग के प्रसार और उसके कारण लगाए गए प्रतिबंधों से एक बड़ी आबादी बहुत दुःख और परेशानियां झेल रही है. इस साल की फरवरी की शुरूआत में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया भर की सरकारों को इस रोग से बचने के लिए उपयुक्त कदम उठाने को कहा था. परंतु उस समय भारत सरकार नमस्ते टूंप और मध्यप्रदेश की सरकार को गिराने के लिए शुरू किए गए आपरेशन कमल को सफल बनाने में व्यस्त थी. फिर 22 मार्च को जनता कर्फ्य लगाया गया और उसके दो दिन बाद देश को ताले-चाबी में बंद कर दिया गया. इसके बाद से सरकार ने कोविड को गंभीरता से लेना शरू किया. समय रहते स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उचित कदम न उठाने की अपनी घोर असफलता को छुपाने के लिए सरकार बलि के बकरों की तलाश में थी. और तबलीगी जमात एक अच्छा बकरा साबित हुआ. पहले सरकार ने और फिर मीडिया ने देश में कोविड के प्रसार के लिए तबलीगी जमात द्वारा मरकज निजामुद्दीन में 13 से 15 मार्च तक आयोजित एक सेमिनार को दोषी बताना शुरू कर दिया. इसमें कोई संदेह नहीं कि उस दौर में इस तरह का बड़ा

आयोजन करना उचित नहीं था. परंतु हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि नमस्ते ट्रंप में भाग लेने के लिए सैकड़ों लोग विदेश से भारत आए थे. इस कार्यक्रम में लगभग दो लाख लोगों ने शिरकत की थी. उस समय तक देश में मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल खुले हुए थे और उनमें धार्मिक व अन्य आयोजन हो रहे थे. तबलीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लेने जो लोग विदेश से भारत आए थे

उन्होंने सभी आवश्यक अनुमतियां लीं थीं और हवाईअड्डों

पर उनकी बाकायदा स्क्रीनिंग हुई थी. इसके बाद भी कोरोना

संक्रमण के प्रसार के लिए जमात को दोषी ठहराना सरकार



में बैठे लोगों की विशिष्ट मानसिकता का प्रतीक था. जमात को कठघरे में खड़ा कर देश के संपूर्ण मुस्लिम समुदाय पर निशाना साधा जा रहा था.

गोदी मीडिया ने एक कदम और आगे बढ़कर यह चिल्लाना शुरू कर दिया कि तबलीगी जमात ने एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत देश में कोरोना संक्रमण फैलाया. इस तथाकथित षडयंत्र को कोरोना जिहाद की संज्ञा दी गई. कहा गया कि मरकज में कोरोना बम तैयार किए जा रहे थे. मजे की बात यह है कि मरकज उस इलाके के पुलिस थाने से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है. गोदी मीडिया की समाज में कितनी गहरी पैठ है यह इससे जाहिर है कि इस दुष्प्रचार ने तेजी से जड पकड ली कि मुसलमान जानबूझकर देश में कोरोना फैला रहे हैं. कई स्थानों पर ठेले पर सब्जी बेचने वाले गरीब मुसलमानों की पिटाई हुई और कई हाउसिंग सोसायटियों ने अपने कैम्पस में उनका प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया.

कुछ तबलीगियों को क्वारंटीन किया गया और कुछ को अस्पतालों में भर्ती किया गया. फिर तो साम्प्रदायिक गोदी मीडिया की बन आई. चारों ओर फेक न्यूज का बोलबाला हो गया. यह आरोप लगाया गया कि अस्पतालों में भर्ती तबलीगी वार्डों में नंगे घूम रहे हैं, यहां-वहां थूक रहे हैं और

नर्सों के साथ अश्लीलता कर रहे हैं. इससे देश में पहले से

ही मुसलमानों के प्रति जो नफरत व्याप्त थी वह और बढ़

गई. पुलिस भी हरकत में आई और विदेश से आए

तबलीगियों के खिलाफ कई राज्यों में प्रकरण दर्ज कर लिए गए. उन पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने, महामारी फैलाने और इस्लाम का प्रचार करने के आरोप लगाए गए. इन मामलों में अदालतों के निर्णयों ने उल्टे मीडिया और पुलिस को ही कठघरे में खड़ा कर दिया. इन फैसलों से जाहिर है कि पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामले कितने झूठे थे और मीडिया ने किस कदर दुष्प्रचार किया और अफवाहें फैलाई. ऐसे ही एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने पुलिस और मीडिया पर तीखी टिप्पणियां की हैं. न्यायालय ने कहा, जब भी कोई महामारी फैलती है या कोई आपदा आती है, तब राजनैतिक सरकारें बलि के बकरों की तलाश करने लगतीं हैं. इस मामले में परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि विदेशी तबलीगियों को बलि का बकरा बनाने के लिए चुना गया. तत्समय की परिस्थितियों और वर्तमान में संक्रमण की दर को देखते हुए ऐसा लगता है कि याचिकाकताओं के खिलाफ की गई कार्यवाही गैर-वाजिब थी. मीडिया की आलोचना करते हुए अदालत ने कहा, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में जमकर यह प्रचार किया गया कि भारत में कोविड-19 संक्रमण को फैलाने के लिए ये विदेशी जिम्मेदार हैं. उन्हें गंभीर मानसिक प्रताड़ना दी गई. यह निर्णय मुसलमानों के प्रति पुलिस और मीडिया के

दृष्टिकोण की केस स्टडी है. जो मुसलमान विदेश से सेमिनार में भाग लेने आए थे या भारत में घूम रहे थे उन्हें अकारण परेशान और प्रताडित किया गया. अदालत ने कहा, पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही, देश के मुसलमानों के लिए एक अप्रत्यक्ष चेतावनी थी कि उनके खिलाफ कभी भी कोई भी कार्यवाही की जा सकती है. इस तरह के इशारे

भी किए गए कि देश के मुसलमानों पर केवल इसलिए

कार्यवाही की जाएगी क्योंकि वे विदेशी मुसलमानों से

संपर्क रखते हैं. इन विदेशियों के खिलाफ कार्यवाही से

दुर्भाव की बू आती है. एफआईआर को रद्द करने या प्रकरण को समाप्त करने के लिए दायर की गई याचिकाओं का निपटारा करते समय दुर्भाव का पहलू ध्यान में रखा जाना होता है.

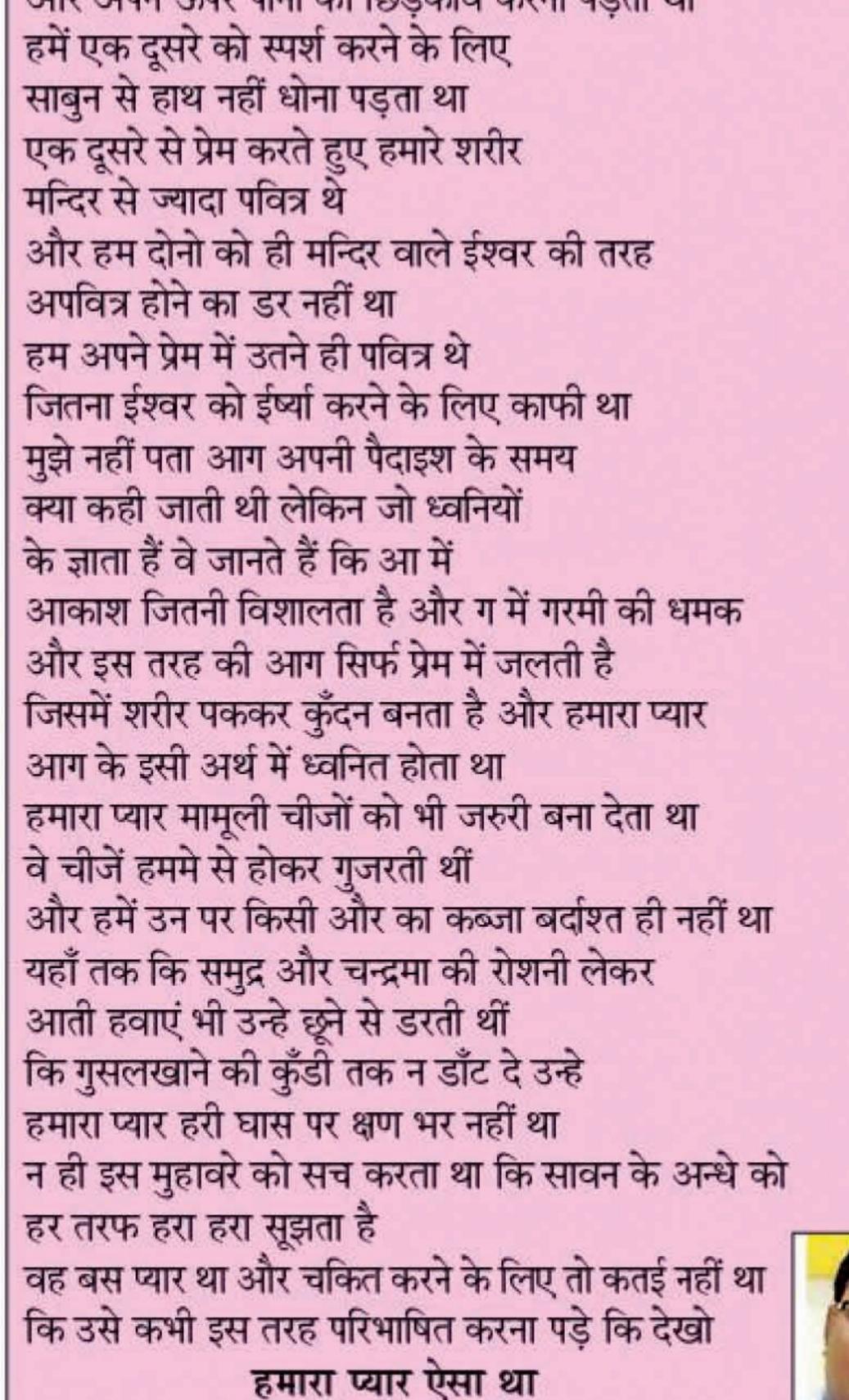
यह साफ है कि हमारे देश में जहां एक ओर कुछ लोगों को बलि का बकरा माना जाता है वहीं कुछ को पवित्र गाय का दर्जा मिला हुआ है और उन्हें कभी भी कुछ भी कहने या करने की आजादी है. हाल में दिल्ली में हुई हिंसा के मामले में जिन लोगों के विरूद्ध पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है उनमें से अधिकांश वे हैं जिन्होंने सीएए-एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लिया था. इसके विपरीत, जिन लोगों ने भड़काऊ भाषण दिए, जिन लोगों ने देश के गद्दारों को...जैसे नारे लगाए (अनुराग ठाकुर), जिन लोगों ने कहा कि आंदोलनकारी घरों में घुसकर हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार करेंगे (प्रवेश वर्मा), जिन लोगों ने कहा कि हम उन्हें धक्का देकर भगा देंगे (कपिल मिश्रा), वे सब खुले घुम रहे हैं. उन्हें किसी का डर नहीं है.

ठीक इसी तरह का घटनाक्रम 2006-08 में देश के विभिन्न भागों में हए बम धमाकों के बाद भी हआ था. हैदराबाद की मक्का मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया था. बाद में विभिन्न अदालतों ने उन्हें सुबूतों के अभाव में निर्दोष घोषित कर दिया. इसके विपरीत मालेगांव बम धमाकों की प्रमुख आरोपी प्रज्ञा ठाकुर को न केवल जमानत पर जेल से रिहाई मिल गई है वरन्वे सांसद भी बन गई हैं. कहने की जरूरत नहीं कि देश में कुछ लोगों को पवित्र गाय और कुछ को बलि का बकरा घोषित कर दिया गया है. आप बकरे हैं या गाय, यह आपके धर्म पर निर्भर करता है.

(लेखक आईआईटीए मुंबई में पढ़ाते थे और सन

2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से

सम्मानित हैं)



- महेश आलोक

5



मीडियाटन हरिशंकर राढ़ी यात्रा-ऐडवेंचर के शौकीनों के लिए इधर दो बेहद फैंसी दर्शनीय स्थल सूची में जुड़े हैं। ये मीडिया। अब इसके तीन मुँह हो गए हैं- प्रिंट, डर नहीं लग रहा है। इतना खा ले रहा है कि हैं फेसबुक और मीडिया। फेसबुक के भ्रमण को कायदे से फेसबुकाटन कहना चाहिए किंतु शब्द लंबा होने के नाते आगे से इसे फेसाटन समझा जाए। किसी का नाम जरूरत से ज्यादा बढ रहा हो तो उसे काटने और अपनी सुविधानुसार छोटा बनाने में कोई कसर उठा नहीं रखनी चाहिए। परिचित-पडोसी का नाम ज्यादा बडा हो गया तो अपना छोटा हो जाएगा। बड़े नाम को सहजता से बुलाने में बहत दिक्कत होती है। अतः इसे फेसाटन कर देना ठीक रहेगा। फेस जमा अटन बराबर फेसाटन जिसमें दीर्घ संधि और तत्पुरुष समास है। ऐसे घूमने-फिरने को अयन भी कहा जाता है किंत



उत्तरायण, दक्षिणायन गतियों का या फिर रामायण का भाव आ जाएगा। सबको भाव देना भी ठीक नहीं होता। इसके लिए तो फेसाटन और मीडियाटन ही ठीक रहेगा जैसे देशाटन और भिक्षाटन। इसके गुण और स्वभाव भी देशाटन और भिक्षाटन से मिलते-जुलते हैं। मीडियाटन को छोटा करना अच्छा नहीं रहेगा। ये पहले से बहुत बढ़ गया है। जब बढ़ रहा था तब हमने इस पर ध्यान नहीं दिया। समय चुके पनि का पछिताने! बेहतर होगा कि साथ हो लिया जाए। पहले एक ही मीडिया था- प्रिंट कोयला इंजन सा चल रहा है, इलेक्ट्रॉनिक खत्म नहीं हो रही। मीडिया राजधानी एक्सप्रेस तो सोशल मीडिया जहाँ साँड हों, वहाँ जाना ठीक नहीं। साँडों की लोको पायलट वाली पैसेंजर। जो भी चाहे लड़ाई दूर से ही देखना ठीक है। अपने कुछ सवार हो जाए। ताकत है तो जगह बनाकर बैठ करना हो, चरना हो तो फेसबुक आदि ही ठीक जाए। कमजोर को उतारकर गलियारे में फेंक दे। हैं। यहाँ पर बराबर हैसियत के लोग आते हैं। अपना ग्रुप हो तो पूछना ही क्या? फिर तो आधा डिब्बा खाली करा लो और शुरू हो जाओ ताश कई प्वाइंट हैं- साहित्य, उच्च और निम्न लेकर या ढोल-मजीरे पर कीर्तन। कोई कुछ बोल दे तो कीर्तन के बीच में उसकी माँ - बहन रैप कर दो। कीर्तन की आवाज में कौन सुनता है किसी की चीख !

प्रिंट मीडिया बुढी गाय की तरह अपने अतीत इसे अयन नहीं कहेंगे। अयन कहते ही सुर्य की को देख रहा है। बैठक ले लिया है, उठने की

कोशिश कर रहा है। अगला पैर कई बार फैला चुका है, पिछले में दम नहीं। उचककर फिर बैठ जाता है। आगे कोई कुछ डाल दे तो खा ले रहा है। दुख इतना ही नहीं है, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया छुट्टा साँड की तरह घूम नहीं रहा है, उसके सामने ही खड़ी फसल चर रहा है। बीच-बीच में बाँ-बाँ की डकार भी मार रहा है। खेत से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा। जहाँ मर्जी वहीं पुँछ उठाकर गोबर मार दे रहा है। उसी गोबर से फसल और जोरदार हो रही है बिजुका तो छोडो, उसे असली खेत मालिक से इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया। प्रिंट मीडिया नई फसल न मिलने तक पुरानी की जुगाली ही

जब तक चाहो घुमो, फिर चले जाओ। यहाँ भी कविताओं, राजनीति के सनराइज और सनसेट प्वाइंट, व्यंजनों के आभासी रेस्तराँ, सुंदर चेहरों के लॉज और होटल, फिल्मों के ढाबे, अफवाहों के मैजिक शो, व्यवसायों के खोखे, विमर्शों की घाटियाँ। बढ़िया डेस्टिनेशन है। कोरोनाकाल इसका पीक सीजन चल रहा है।

अभियान जैसे दुखद स्वभावविरोधी अभियान का कोई प्रभाव नहीं है। जहाँ चाहें, जिसकी वॉल पर चाहें गोबर कर सकते हैं, थूक सकते हैं। अपनी पूरी वॉल ही गोबर के लिए आरक्षित कर लें तब भी कोई चालान नहीं है। आपका गोबर देखकर दूसरा भी वहीं गोबर कर जाएगा। सब अपने-अपने गोबर को प्यार करेंगे। अपने रंग के गोबर की सराहना करेंगे। जितना चाहे ढूह लगा सकते हैं। दूसरे रंग का गोबर है तो उसकी निंदा करना युगधर्म है। अब गोबर करने की इतनी स्वच्छंदता हो?

फेसाटन मीडियाटन का सबसे बड़ा आकर्षण है। बाकी के प्वांइट छोटे-मोटे हैं। ठीक वैसे जैसे आगरा में ताजमहल है। पर्यटन करने आगरा गए, ताजमहल देखा। समय बच गया तो रास्ते में मानसिक चिकित्सालय या दयालबाग भी देख लिया। फेसाटन के अतिरिक्त आप ट्विटर, व्हाटसैप या इंस्टा पर भी कुछ समय बिता सकते हैं। हालाँकि इन स्थलों का क्षेत्रफल कम है। ट्विटर बिंदु तो हाईकमानों, सुपर स्टार और नामचीन लोगों के हिस्से में ज्यादा है। यह सूचनामात्र या फिर टिप्पणी के लिए दिखता है। ये चीजें आम लोगों पर नहीं फबतीं। गोबर यहाँ भी किया जा सकता है लेकिन यहां आम लोगों

मजे की बात यह भी है कि यहाँ सफाई के गोबर का पता नहीं चलता। कभी-कभी इनका प्रयोग पत्थरबाजी के लिए भी किया जाता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें हैंडिल होता है जो दिखता नहीं। जो अत्यंत कुशल होते हैं, वे ही इसे हैंडिल कर पाते हैं।

व्हाटसैप नामक दर्शनीय स्थल वैसे तो निजता की श्रेणी में आता है, किंतू बहुत से लोग अपनी निजता बेचकर सामुहिक रूप से एक बड़ी जमीन ले सकते हैं जिसे व्हाटसैप ग्रुप कहते हैं। मीडिया के इस टन ने इधर काल्पनिक खबरें तथा काल्पनिक खतरे दिखाने में महती भूमिका ऐसा दूसरा भ्रमण स्थल कहाँ मिलेगा जिसमें निभाई है। इससे लोगों को अपने धर्म, अपनी जाति और अपने मत को जान देकर और जान

लेकर बचाने में सफलता प्राप्त हुई है। फेसाटन और मीडियाटन ने घर बैठे दुनिया घुमाने का पुनीत कार्य तो पहले ही शुरू कर दिया था, इधर जब से लॉक डाउन और कोरोना के दिन आए हैं, पर्यटन का पूरा जिम्मा ही इसने संभाल रखा है। सोचिए, यदि फेसाटन और मीडियाटन भी नहीं होता तो हम कहाँ जाते? हमारी मानवता का तब क्या होता?

(लेखक व्यंग्यकार हैं, संपर्क झ 9654030701)







क्रियायोग : शरीर व मन के बीच दूरी शून्य करने का विज्ञान है, इस स्थिति में हम योग की अवस्था की अनुभूति करते हैं : स्वामी श्री योगी सत्यम्

झूंसी, प्रयागराज। क्रियायोग शरीर व मन के बीच दूरी शून्य करने का अध्यात्मिक विज्ञान है। शरीर व मन के बीच दूरी शून्य होने पर शरीर व मन दोनों दो अलग-अलग तत्वों के रूप में नहीं अनुभव होते हैं बल्कि दोनों एकतत्व हैं, का अनुभव जन्य ज्ञान प्राप्त होता है। उसी एक तत्व को सत, नित्य, सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ, परमतत्व, परमब्रह्म, परमात्मा तत्व आदि अनेक रूपों में वर्णित किया गया



है। शरीर व मन के बीच दूरी की शून्यता का प्रकट होना योग की अवस्था है। योग अवस्था को अद्वैत अवस्था कहा गया है। जिसके प्रकट होने पर असत, माया, अविद्या, अज्ञान का लोप हो जाता है। और संपूर्ण ब्रह्मांड एक ही परम चैतन्य परमात्मा का प्रकाश है। ऐसी अवस्था में साधक को शाश्वत सुख जिसे परमआनंद (नित्यनवीन आनंद) कहा गया है, की प्राप्ति होती है।

शरीर व मन के बीच दूरी की शून्यता प्रकट होने पर माया का लोप हो जाता है। माया को अविद्या, अज्ञान कहा गया है। माया के प्रभाव से असत, सत्य के रूप में, ज्ञान, ज्ञान के रूप में व अविद्या, विद्या के रूप में अनुभव होता है। माया के प्रभाव से जो अविभाजित है वह विभाजित दिखाई पड़ता है। शरीर व मन के बीच दूरी शून्य होने का अर्थ है माया का शून्य होना व सत्य का प्रकट होना।

क्रियायोग साधना के द्वारा शरीर व मन के बीच दूरी की शून्यता स्थापित होने पर

यह स्पष्ट हो जाता हैरू आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, पेड़.पौधे, जीव जंतु, का अनेक रूपों में प्रकटीकरण है। जिस प्रकार समुद्र अनेक लहरों के रूप में का ही व्यक्त रूप है। ठीक उसी प्रकार संपूर्ण ब्रह्मांड अर्थात दृश्य व अदृश्य जगत मानव देवीदेवता आदि समस्त रचनाएं अलग-अलग नहीं है बल्कि एक ही तत्व प्रकट होता है, लहर का स्वरूप चाहे छोटा होया बड़ा, भारी हो या हल्का वह समुद्र सर्वव्यापी परमब्रह्म का व्यक्त रूप है।

KRIYAYOGA IS THE SCIENCE TO REDUCE DISTANCE BETWEEN BODY AND MIND TO EXPERIENCE STATE OF YOGA : SWAMI SHREE YOGI SATYAM



Kriyayoga Science is the The state of Yoga is STURY S दूरी spiritual science to reduce also known as the state of 7খদি distance distance between body Singularity; where non-Body Mind and mind. In other words, reality - Illusion (Maya), we realize that both Body Ignorance (Avidya) - disand Mind are made up of appear. One perceives One Substance. This the whole Cosmos in the Substance is referred to form 0Ť one (distance = 0)by many different terms Consciousness known as Yoga धाया दूरी की शून्यता such as Truth, Eternal God. In this state, a prac-परमानन्द तत्व BLISS Substance, Omnipresent, titioner perceives Eternal and Joy known as Ever-new the effect of Maya, non- the ocean; in the same Omnipotent Omniscient, ParaBrahma, Joy (Bliss). Paramatma... The state When the distance and Ignorance appears as visible and invisible creof oneness between Body between body and mind Knowledge. When the dis- ation - is manifestation of and Mind is known as disappears, the effect of tance between body and The Omnipresent God Maya disappears. Due to mind is reduced to zero, (Eternal Substance). Yoga.



revealed. All the seemingly different manifestations of creation: Sky, Air, Fire, Water, Earth, Plants, Animals, Human Beings and Angels are all One Substance. Just as each wave is part of the ocean and cannot exist without reality appears as Truth way, the whole Cosmos -







